सच्ची खबरें का मरकज़

R.N.I. No. UPHIN/2009/28569

आगाज़ टाइम्स

हिन्दी साप्ताहिक सामचार पत्र

वर्ष: 16 अंक: 35 | लखनऊ रविवार 28 सितम्बर 2025 | पृष्ठ : 8 | मूल्य: 1 रुपये

इंटरनेशनल ट्रेड शो में बोले पीएम मोदी

भारत को आत्मनिर्भर बनाना ही होगा

भारत जैसे देश को किसी पर निर्भर रहना अब मंजूर नहीं: मोदी

ग्रेटर नोएडा,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बृहस्पतिवार को यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो का उद्घाटन किया। ग्रेटर नोएडा में हो रहे इस ट्रेड शो में प्रदेश के उद्यमियों को वैश्विक मंच मिलेगा। ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो का आज से आगाज हो गया है। ग्रेटर नोएडा में हो रहे इस ट्रेड शो में प्रदेश के उद्यमियों को वैश्विक मंच मिलेगा। पीएम नरेंद्र मोदी ने यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो का आज उद्घाटन किया। उनके साथ सीएम योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। सीएम योगी और सरकार के सभी सहयोगियों को बधाईरू पीएम मोदी प्रधानमंत्री नरेंद्र

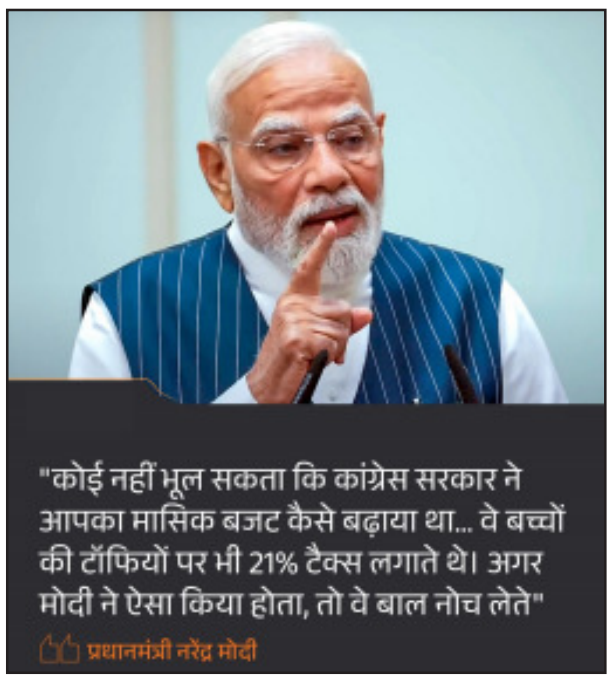

मोदी ने उत्तर प्रदेश अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रदर्शनी–2025 (UPITS–2025) में कहा, ष्आज पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती है। उन्होंने हमें अंत्योदय का मार्ग दिखाया। अंत्योदय का अर्थ है, सबसे निचले पायदान पर खड़े व्यक्ति का उत्थान, सबसे गरीब व्यक्ति तक विकास पहुंचना।

केसीसी कॉलेज **200 वाहन**	कलाधाम सोसाइटी **400 वाहन**
यूनाइटेड कॉलेज **150 वाहन**	स्टेलर जिमखाना **40 वाहन**
जुबलिएन्ट रिसर्च सेंटर **125 वाहन**	इन्वोवेटिव कॉलेज **100 वाहन**
आईटीएस कॉलेज **80 वाहन**	नियर यूनाइटेड कॉलेज **250 वाहन**
ट्रीनिटी कॉलेज **150 वाहन**	योगी गोलचक्कर से कौशल्या चौक तक **400-500 वाहन**

फलस्तीन को लेकर सरकार की चुप्पी मानवता के खिलाफ: सोनिया गांधी

सोनिया गांधी ने पीएम मोदी–नेतन्याहू का जिक्र कर कसा तंज

नई दिल्ली,(एजेंसी)। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने फलस्तीन मुद्दे पर मोदी सरकार की चुप्पी को मानवता और नैतिकता से पीछे हटना बताया है। उन्होंने कहा कि भारत जैसे देश को नेतृत्व दिखाना चाहिए, लेकिन सरकार निजी रिश्तों के चलते विदेश नीति चला रही है। उन्होंने याद दिलाया कि भारत ने 1988 में फलस्तीन को मान्यता दी थी और हमेशा न्याय के पक्ष में खड़ा रहा है। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने एक बार फिर फलस्तीन मुद्दे को लेकर मोदी सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने मोदी सरकार पर चुप्पी साधने का आरोप लगाते हुए कहा कि भारत जैसे देश को

इस मसले पर नेतृत्व दिखाना चाहिए, लेकिन केंद्र सरकार की इस मामले में प्रतिक्रिया गहरी चुप्पी और मानवता व नैतिकता से पीछे हटने जैसी रही है। सोनिया गांधी ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार का रुख भारत के संवैधानिक मूल्यों या रणनीतिक हितों पर नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री मोदी और इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की निजी दोस्ती पर आधारित है। कांग्रेस नेता ने मामले में चेताया कि इस तरह की व्यक्तिगत कूटनीति भारत की विदेश नीति का आधार नहीं बन सकती। मोदी सरकार की चुप्पी पर उठाए सवाल न्यूज एजेंसी पीटीआई के हवाले से बताया गया कि सोनिया गांधी ने ये बातें एक लेख के माध्यम से कही है। जो कि द हिंदू नाम के एक अखबार में प्रकाशित हुआ और यह पिछले कुछ महीनों में फलिस्तीन मुद्दे पर उनका तीसरा सार्वजनिक लेख है। इस लेख में सोनिया गांधी ने याद दिलाया कि भारत ने 1988 में फलस्तीन को एक स्वतंत्र देश के रूप में मान्यता दी थी और ऐतिहासिक रूप से फलस्तीन की जनता के अधिकारों का समर्थन किया है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने किये बांके बिहारी के दर्शन

लखनऊ,(एजेंसी)। महाराजा एक्सप्रेस से गुरुवार सुबह मथुरा के वृंदावन पहुंचीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को ठाकुर बांके बिहारी मंदिर में दर्शन–पूजन किया। इसके बाद वह निधिवन पहुंचीं। यहां वृक्षों की पूजा की। इस बीच उनके दौरे को

लेकर स्थानीय पुलिस पुलिस पूरी तरह से मुस्तैद और सतर्क है। राष्ट्रपति मुर्मू गुरुवार सुबह 8 बजे दिल्ली से रवाना हुईं थीं । करीब डेढ़ घंटे बाद यानी 10 बजे वृंदावन रोड रेलवे स्टेशन पहुंचीं। ट्रेन के 18 में से 12 कोच राष्ट्रपति और उनके स्टाफ के लिए रिजर्व रखे गए थे। इनमें प्रेसिडेंशियल सुइट, डीलक्स सुइट, रेस्टोरेंट, लाउंज और पावर कार शामिल हैं। राष्ट्रपति के दौरे को देखते हुए प्रशासन ने शहरभर में प्रतिबंधित मार्गों पर दोपहर 12 बजे से शाम 6 बजे तक दुकानों को बंद रखने की अपील की है। 12वीं तक के स्कूल–कॉलेज भी बंद रखा गया है। गौरतलब है कि राष्ट्रपति मुर्मू 7 घंटे मथुरा–वृंदावन में रुकेंगी। इस दौरान वह कई धार्मिक स्थलों पर दर्शन के लिए जाएंगी। द्रौपदी मुर्मू श्रीकृष्ण जन्मस्थान जाने वाली देश की दूसरी राष्ट्रपति हैं। इससे पहले पूर्व राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह ने श्रीकृष्ण जन्मस्थान के दर्शन किए थे।

वांगचुक ने लोगों को भड़काया: सरकार

तो सुनियोजित थी लद्दाख को अशांत करने की साजिश, कौन थे वो जो नहीं चाहते हल शांतिपूर्ण निकले

जम्मू,(एजेंसी)। लद्दाख में छठी अनुसूची को लेकर आंदोलन हिंसक हो गया। आगजनी और गोलीबारी में चार प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई। 80 घायल हो गए हैं। कर्फ्यू लगा दिया गया है। तोड़फोड़ और पथराव के बीच प्रदर्शनकारियों ने भाजपा प्रदेश कार्यालय भी फूंक दिया। इसके अलावा कई वाहनों को आग के हवाले कर दिया। कांग्रेस काउंसलर पर एफआईआर दर्ज की गई है। छठी अनुसूची में शामिल करने और राज्य दर्जे के लिए चल रहे आंदोलन में हिंसा अचानक नहीं भड़की बल्कि यह लद्दाख जैसे शांत क्षेत्र को अस्थिर करने की सुनियोजित साजिश थी। स्थानीय लोगों को इसमें बाहरी तत्वों का हाथ होने की भी आशंका है। स्थानीय लोगों के अनुसार लद्दाख जैसे संवेदनशील प्रदेश में इससे पहले इस तरह की स्थिति कभी देखने को नहीं मिली। वर्ष 2019 में एकीकृत जम्मू–कश्मीर राज्य से अलग होकर केंद्र शासित प्रदेश बन जाने के बाद से ही लद्दाख के निवासी अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ रहे हैं। इनमें स्थानीय युवाओं को सरकारी नौकरियां और रोजगार भी एक बड़ा मुद्दा है। हालांकि केंद्र सरकार की ओर से इस साल मई में डोमिसाइल नीति लाकर उनके रोजगार संबंधी मसले को हल करने का प्रयास किया गया था लेकिन लोग अलग लद्दाख लोक सेवा आयोग और लद्दाख कर्मचारी चयन आयोग की मांग कर रहे हैं। वे लद्दाखी डोमिसाइल नीति से भी संतुष्ट नहीं थे। उनका कहना था कि इसे उस रूप में नहीं दिया गया जैसा वे चाहते थे।

भाषा और संस्कृति के संरक्षण के साथ ही अपनी जमीन और संसाधनों पर अपने हक की लड़ाई वे प्रमुखता से लड़ रहे थे। कुछ ही समय पहले इस आंदोलन की बागडोर प्रख्यात पर्यावरणविद सोनम वांगचुक ने अपने हाथ में ली थी और वे लद्दाख को पूर्ण राज्य बनाए जाने व संविधान की छठी अनुसूची में शामिल किए जाने की मांग को लेकर भूख हड़ताल पर बैठे थे। बुधवार को भी सब कुछ शांतिपूर्ण चल रहा था लेकिन इसी बीच अचानक कुछ युवाओं ने आकर इस शांतिपूर्ण आंदोलन में खलल डाल दिया। खलल इसलिए क्योंकि लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) और कारगिल डेमोक्रेटिक मोर्चा (केडीए) के नुमाइंदों की केंद्रीय गृह मंत्रालय से छह अक्तूबर को बैठक तय हो चुकी थी। सोनम वांगचुक के इस बैठक को तय तिथि से पहले किए जाने के अनुरोध पर गृह मंत्रालय ने सकारात्मक रुख दिखाया था। लद्दाख के प्रतिनिधियों को 25 सितंबर को दिल्ली आने का न्योता दिया था। ऐसे में वे कौन लोग थे जो नहीं चाहते हैं कि लद्दाख अपनी मांगों के शांतिपूर्ण हल के रास्ते पर आगे बढ़े। लेह निवासी ताशी के अनुसार, स्थानीय युवा शांति के साथ धरना दे रहा था।

रेल आधारित मोबाइल लॉन्चर प्रणाली से मध्यम दूरी की अग्नि–प्राइम मिसाइल का सफल प्रक्षेपण

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। भारत ने रेल आधारित मोबाइल लॉन्चर प्रणाली से मध्यम दूरी की अग्नि–प्राइम मिसाइल का सफल प्रक्षेपण किया है। अगली पीढ़ी की यह मिसाइल दो हजार किलोमीटर तक की मारक क्षमता के लिए डिजाइन की गई है और कई उन्नत सुविधाओं से लैस है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरूवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में इसकी जानकारी देते हुए कहा कि विशेष रूप से डिजाइन किए गए रेल आधारित मोबाइल लॉन्चर से किया गया अपनी तरह का यह पहला प्रक्षेपण बिना किसी अतिरिक्त प्रणाली के रेल नेटवर्क पर कार्य करने की क्षमता रखता है। इससे देश भर में कहीं भी और कम दृश्यता के साथ कम समय में प्रक्षेपण की सुविधा मिलती है। श्री सिंह ने मध्यम दूरी की अग्नि–प्राइम मिसाइल के सफल परीक्षण पर रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन , सामरिक बल कमान और सशस्त्र बलों को बधाई दी है । उन्होंने कहा कि इस सफल उड़ान परीक्षण ने भारत को उन चुनिंदा देशों के समूह में शामिल कर दिया है जिनके पास चलते–फिरते रेल नेटवर्क से कैनिस्टराइज्ड प्रक्षेपण प्रणाली विकसित करने की क्षमता है।

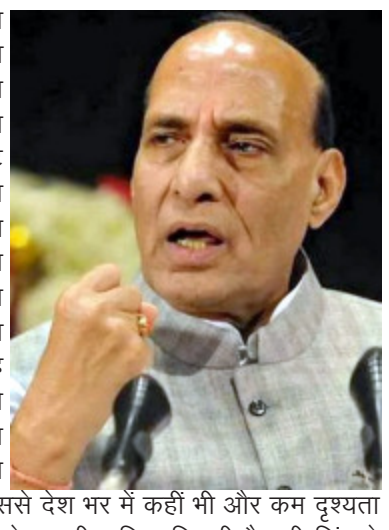

युवाओं को नहीं है राहुल गांधी की बातों में दिलचस्पी, वोट चोरी की अपील नहीं चलेगी: फडणवीस

मुंबई,(एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की युवाओं से श्वोट चोरी रोकनेश की अपील पर महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने जोरदार पलटवार किया। उन्होंने कहा कि आज की पीढ़ी खाली नारों में नहीं, काम में विश्वास रखती है। जेन जी को न तो प्रदर्शन का वक्त है, न ही राहुल गांधी की बातों में कोई रुचि। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के वोट चोरी के आरोपों और युवाओं से इसे रोकने की अपील पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने जबरदस्त पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की देश के युवाओं, खासकर जेन जी से की गई श्वोट चोरी रोकनेश की अपील का कोई असर नहीं होगा। उन्होंने राहुल पर तंज कसते हुए कहा कि युवाओं को राहुल गांधी में कोई दिलचस्पी नहीं है। वो अब अलग सोचते हैं। उनके पास प्रदर्शन के लिए समय नहीं है न ही उन्हें खोखले नारों पर भरोसा है। एक मीडिया कार्यक्रम में बातचीत के दौरान सीएम देवेंद्र

फडणवीस ने जवाब देते हुए कहा कि राहुल गांधी की अपील जेन जी पर असर नहीं डालेगी। जो नेपाल से प्यार करता है, वह वहीं रह सकता है। राहुल गांधी अब जनता को सरकार गिराने के लिए तैयार नहीं कर सकते, इसलिए जेन जी को इस्तेमाल करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन यह चाल अब नहीं चलेगी। राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर लगाया था आरोप बता दें कि सीएम फडणवीस का ऐसे समय में आया है जब राहुल गांधी ने कुछ दिन पहले एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी जिसमें उन्होंने चुनाव आयोग पर बड़ा आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि कर्नाटक के कालाबुरगी जिले की आलंद विधानसभा सीट में वोटरों की लिस्ट से हजारों नाम बिना वजह हटाए गए हैं। इस मुद्दे की जांच कर रही कर्नाटक की सीआईडी को चुनाव आयोग सहयोग नहीं कर रहा। राहुल ने की थी युवाओं से अपील राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग जांच में जरूरी जानकारी नहीं दे रहा और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर श्वोट चोरेंश को बचाने का आरोप लगाया। इसके बाद राहुल ने सोशल मीडिया पर युवाओं से अपील की कि वे लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए आगे आएं।

मेक इन इंडिया अभियान भारत के विनिर्माण क्षेत्र का पुनरोत्थान: पीयूष गोयल

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने श्मेक इन इंडियाश अभियान को भारत के विनिर्माण क्षेत्र का पुनरोत्थान बताते हुए कहा है कि भविष्य में भारत इस क्षेत्र में दुनिया का नेतृत्व करेगा। श्री गोयल ने गुरूवार को मेक इन इंडिया अभियान के 11 साल पूरा होने पर सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक पर एक पोस्ट में कहा,ष्अब तक, मेक इन इंडिया की कहानी पुनरुत्थान की कहानी है। आने वाले दशक आत्मनिर्भर और विकसित भारत के माध्यम से वैश्विक नेतृत्व की कहानी लिखेंगे।ष श्री गोयल ने कहा है कि उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना ने बड़े पैमाने पर निवेश और रोजगार पैदा किए हैं, जबकि युवाओं और महिलाओं के उत्साह और ऊर्जा से प्रेरित जीवंत स्टार्टअप इकोसिस्टम ने भारत को दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा नवाचार केंद्र बना दिया है। उन्होंने कहा ष्यह यात्रा हमारे उद्योग, एमएसएमई, स्टार्टअप्स, उद्यमियों और स्वदेशी की भावना को अपने हृदय में धारण करने वाले प्रत्येक नागरिक के सामूहिक प्रयास से संभव हुई है।ग्यारह साल पहले, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत की विनिर्माण क्षमता को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से श्मेक इन इंडियाश की शुरुआत की थी। आज, मुझे यह कहते हुए गर्व हो रहा है कि इस दृष्टिकोण ने भारत को एक वैश्विक विनिर्माण महाशक्ति में बदल दिया है।ष वाणिज्य मंत्री ने कहा है।

'हाइड्रोजन है भविष्य का ईंधन'

केंद्रीय मंत्री पुरी बोले– 2030 तक पांच मिलियन टन करेंगे उत्पादन

नई दिल्ली,(एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री पुरी ने कहा कि हाइड्रोजन भविष्य का ईंधन है। उन्होंने याद दिलाया कि भारत का लक्ष्य 2030 तक सालाना 5 मिलियन टन हरित हाइड्रोजन का उत्पादन करना है। इसे एक मजबूत नीतिगत ढांचे और उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत 19,700 करोड़ रुपये का समर्थन प्राप्त है। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने हाइड्रोजन की महत्ता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हाइड्रोजन न केवल भविष्य का ईंधन है, बल्कि ऊर्जा सुरक्षा, आर्थिक प्रतिस्पर्धा और पर्यावरणीय जिम्मेदारी का एक प्रमुख स्तंभ है। भारत का हाइड्रोजन उत्पादन लक्ष्य केंद्रीय मंत्री पुरी ने याद दिलाया कि भारत का लक्ष्य 2030 तक

सालाना 5 मिलियन टन हरित हाइड्रोजन का उत्पादन करना है। इसे एक मजबूत नीतिगत ढांचे और उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत 19,700 करोड़ रुपये का समर्थन प्राप्त है। उन्होंने कहा कि दुनिया का हर इलेक्ट्रोलाइजर निर्माता यहां आ रहा है क्योंकि उन्हें इसमें संभावनाएं दिख रही हैं। जैव ईंधन सम्मिश्रण में भारत की उपलब्धि जैव ईंधन सम्मिश्रण को अपनाने की उपलब्धि के बारे में बात करते हुए पुरी ने कहा कि हमने 2020 तक 10 प्रतिशत जैव ईंधन सम्मिश्रण का लक्ष्य रखा था। और हमने इसे पांच महीने पहले ही हासिल कर लिया। फिर हमने अपने लिए, 2020 नहीं, बल्कि मुझे लगता है कि 2022 का लक्ष्य रखा। फिर हमने 20 प्रतिशत का लक्ष्य रखा, मुझे लगता है कि 2030 तक। पहला लक्ष्य हमने पांच महीने पहले ही हासिल कर लिया। अगला लक्ष्य हमने छह साल पहले ही हासिल कर लिया। हाइड्रोजन उत्पादन की लागत कम करने के प्रयास पानीपत में इंडियन ऑयल के हरित हाइड्रोजन संयंत्र और विशाखापत्तनम में टोक्यो एनर्जी की प्रतिस्पर्धी बोलियों जैसे उदाहरणों का हवाला देते हुए, मंत्री ने बताया कि कैसे भारत की हाइड्रोजन उत्पादन लागत लगातार कम हो रही है।

हिन्दी साप्ताहिक

आगाज़ टाइम्स

2

लखनऊ रविवार, 28 सितम्बर 2025

खेत के ऊपर मेड़, मेड़ के ऊपर पेड़ मेड़बन्दी विधि अपनाने से बढ़ रहा है भू–जल स्तर

रायबरेली, संवाददाता। प्रदेश सरकार भू–जल स्तर बढ़ाने के लिए वर्षा जल को खेतों में रोकने के लिए विशेष कार्यक्रम चला रही है। भारतीय संस्कृति में पुरखों की सबसे पुरानी भू–जल संरक्षण विधि खेत के ऊपर मेड, मेड़ के ऊपर पेड़, वर्षा बूंदे जहाँ गिरे, वहीं रोंके। जिस खेत में जितना पानी रुकेगा, वह खेत उतना अधिक उपजाऊ होगा। मानव जीवन की सभी आवश्यकताएं जल पर निर्भर है तभी तो जल ही जीवन कहा गया है। हमारे पुरखों ने भोजन के लिए अनाज की आवश्यकता के दृष्टिगत एक स्थान पर फसल उगाया गया होगा, फसलें पैदा की गई होगी। जमीन समतल कर खेती योग्य बनाया गया होगा। अनाज पैदा करने के लिए खेत का निर्माण तय हुआ होगा, तभी से मेड़बन्दी जैसी जल संरक्षण की विधि का आविष्कार हुआ होगा। यह हमारे देश के पुरखों की विधि है जिनसे खेत खलिहान का जन्म हुआ है। जिन्होंने जल संरक्षण की परम्परागत प्रमाणित सरल सर्वमान्य मेडबन्दी विधि का आविष्कार किया है। मेड़बन्दी से खेत में वर्षा का जल रूकता है, और भू–जल संचय होता है। इससे भू–जल स्तर बढ़ता है और गाँव की फसलों का जलभराव के कारण होने वाले नुकसान से बचाता है। भूमि के कटाव के कारण मृदा के पोषक तत्व खेत में ही बने रहते है, जो पैदावार के लिए आवश्यक है। नमी संरक्षण के कारण फसल में घास फूस के सड़ने से खेत को परम्परागत जैविक खाद की ऊर्जा प्राप्त होती है। मेड़बन्दी से एक ओर जहाँ भूमि को खराब होने से बचाव होता है वहीं पशुओं को मेड़ पर शुद्ध चारा, भोजन प्राप्त होता है। इसे मेड़बन्दी, चकबन्दी, घेराबन्दी, हदबन्दी, छोटी मेड़बन्दी, बडी मेड़बन्दी तिरछी मेड़बन्दी सुविधानुसार जैसे अलग क्षेत्रों में अलग–अलग नामों से जाना जाता है। धान, गेहूं की फसल तो केवल मेड़बन्दी से रूके जल से ही होती है। हमारे देश के पूर्वज जल रोकने के लिए खेत के ऊपर मेड़, मेड़ के ऊपर फलदार, छायादार औषधीय पेड़ लगाते थे। जिसकी छाया खेत में फसल पर कम पड़े जैसे बेल, सहजन, सागौन, करौंदा, अमरूद, नीबू, बेर, कटहल, शरीफा आदि के पेड़ लगाये जा सकते हैं। यह पेड़ इमारती लकड़ी आयुर्वेदिक औषधियों, फलों के साथ अतिरिक्त आय भी देती है। इन पेड़ों की छाया खेत में कम पड़ती है। इनके पत्तों से खेत को जैविक खाद मिलती है, पर्यावरण शुद्ध रहता है। मेड़ के ऊपर हमारे पुरखे अरहर, मूंग, उर्द, अलसी, सरसों, ज्वार, सन जैसी फसलें पैदा करते रहे हैं जिन्हें पानी कम चाहिए। जमीन सतह से ऊपर हो, मेड़ से अतिरिक्त उपज की फसल ले सकते हैं। मेड़बन्दी से ऊसर भूमि को उपजाऊ बनाया जा रहा है। जहाँ–जहाँ जल संकट है उसका एकमात्र उपाय है वर्षा जल को अधिक से अधिक खेत में मेड़बन्दी के माध्यम से रोकना चाहिए। प्रदेश में बड़ी संख्या में तालाब, कुओं, निजी ट्यूबबेल नहर के सिंचाई साधन होने के बावजूद भी कई हजारों हेक्टे० भूमि की खेती वर्षा जल पर निर्भर है। वर्षा तो हर गाँव में होती है, वर्षा के भरोसे खेती होती है। खासकर बुन्देलखण्ड के इलाके में पहाड़ी, पठारी क्षेत्र के खेतों में मेड़बन्दी के माध्यम से जल रोककर उपजाऊ बनाया जा रहा है। किसान ड्रिप पद्धति, टपक पद्धति, फुहारा पद्धति किसी भी पद्धति से फसल की सिंचाई करें पानी तो सभी विधि को चाहिए, इसलिए जल संरक्षण जरूरी है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने किसानों के लिए खेत का पानी खेत में रोकने पर बल दिया है। सामुदायिक आधार पर जल संरक्षण की प्राचीन परम्परा हमारे देश में रही है, सिंचाई के दो ही साधन है या तो भू–जल या वर्षा जल। भूमि में जब जल होगा, तभी नवीन संसाधन चलेंगे। आज भूमिगत जल पर जबरदस्त दबाव है। भू–जल नीचे चला जा रहा है। इसलिए भूजल का संरक्षण मेंडबंदी से किया जा रहा है। यदि वर्षा बूंदों को पकड़ना है तो मेड़बन्दी जरूरी है यह कोई बड़ी तकनीक नहीं है। चौड़ी ऊँची मेड़ अपनी मेहनत और श्रम से खेत में बनाई जा सकती है। जिससे भूमि की उर्वरा शक्ति में वृद्धि होगी और भूजल स्तर भी बढेगा।

अज्ञात वाहन की टक्कर से एक की मौत,दूसरा घायल

बांदा,संवाददाता। देहात कोतवाली क्षेत्र के पचनेहीं गांव में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। एक अज्ञात चार पहिया वाहन ने बाइक सवार दो युवकों को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार उमेश कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। उनके साथी संतोष गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने उमेश कुमार को मृत घोषित कर दिया। संतोष का अस्पताल में इलाज जारी है। पुलिस ने उमेश के शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवा दिया है। हादसे के बाद चार पहिया वाहन का चालक अपनी गाड़ी छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। डॉक्टर प्रदीप कुमार गुप्ता ने बताया की दो युवकों को लाया गया था, उमेश कुमार ब्रॉड डेड अवस्था में था और संतोष को भर्ती कर इलाज किया जा रहा है। पुलिस ने शव को मर्चरी में रखवा दिया गया है।

स्ट्रीट लाइट विवाद का मामला,ग्राम प्रधान पर 1.96 लाख की धोखाधड़ी का आरोप

बांदा,संवाददाता। नरैनी तहसील के भड़ेहा गांव में स्ट्रीट लाइट को लेकर विवाद सामने आया है। ग्रामीणों ने वर्तमान प्रधान चंद्र कुमार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पूर्व प्रधान राजकुमार के कार्यकाल में गांव में सौर ऊर्जा चालित स्ट्रीट लाइटें लगाई गई थीं। वर्तमान प्रधान ने मरम्मत के नाम पर इन लाइटों को हटवा दिया। उन्होंने नई स्ट्रीट लाइट लगाने के नाम पर 1.96 लाख रुपए का भुगतान करा लिया। लेकिन न तो नई लाइटें लगाईं और न ही पुरानी लाइटें वापस लगाईं। गुरुवार को करण सिंह, देवी दयाल, सुरेंद्र सिंह, रामदेव और शिव कुमार समेत कई ग्रामीणों ने खंड विकास अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों का कहना है कि रात में अंधेरे के कारण महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को आवागमन में परेशानी हो रही है। उन्होंने कई बार मौखिक शिकायत की, लेकिन कोई समाधान नहीं मिला। ग्रामीणों ने मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। खंड विकास अधिकारी ने आरोपों की जांच कराने का आश्वासन दिया है। वे सत्यापन के बाद आवश्यक कार्रवाई करेंगे।

जल जीवन मिशन की टोटियां चोरी,दर्जनों घरों से पीतल की टोटियां गायब

बांदा,संवाददाता। बदौसा कस्बे में चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। बीती रात नेशनल हाईवे 35 से लगी बस्ती में चोरों ने जल जीवन मिशन के तहत लगाई गई पीतल की टोटियों को निशाना बनाया। चोरों ने बरछा (ब) मोहल्ले में कई घरों के सामने लगी पाइपलाइनों से टोटियां उखाड़ लीं। अजय कुमार वर्मा, छंगा, संतोष, दयानिधान शुक्ला, छोटा और रामहित सहित दर्जनों लोगों के घरों से टोटियां चोरी हुई हैं। पुलिस की नियमित गश्त के बावजूद चोरी की घटनाएं नहीं रुक रही हैं। इससे कस्बे में लोग भयभीत हैं। दो दिन पहले कस्बे के गंगा गुप्ता के घर में एक संदिग्ध युवक पकड़ा गया था। वह चोरी की नीयत से ताड़ पर चढ़ा हुआ मिला था। ग्रामीणों ने उसे पकड़कर पुलिस को सौंप दिया। पूछताछ में युवक ने स्वीकार किया कि वह 7–8 लोगों के साथ ऑटो से आया था। थानाध्यक्ष कुलदीप कुमार तिवारी ने बताया कि पकड़ा गया युवक मध्य प्रदेश का रहने वाला है। हालांकि उन्होंने आरोपी का नाम और पूरा पता नहीं बताया। थानाध्यक्ष ने कार्रवाई का आश्वासन दिया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पुलिस की कार्यवाही पर्याप्त नहीं है। उनका मानना है कि चोर बिना किसी डर के कस्बे में घूम रहे हैं।

मिशन शक्ति 5.0 में महिलाओं को मिली नई पहचान,एक दिन के लिए महिलाएं बनीं डीएम-एसपी

उरई/जालौन,संवाददाता। उरई के राजकीय मेडिकल कॉलेज ऑडिटोरियम में मिशन शक्ति 5.0 कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं को नेतृत्व की नई जिम्मेदारी मिली। बबली देवी को एक दिन के लिए जिलाधिकारी और सीमा को पुलिस अधीक्षक बनाया गया। जिलाधिकारी बनीं बबली देवी ने कहा कि मिशन शक्ति ने महिलाओं को नई पहचान दी है। महिलाएं अब घर की चौखट से निकलकर प्रशासन में भी अपनी भूमिका निभा रही हैं। पुलिस अधीक्षक की भूमिका में सीमा ने महिला सुरक्षा पर जोर दिया। उन्होंने महिलाओं को हेल्पलाइन नंबर 1090, 112 और 181 के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा, माधौगढ़ विधायक मूलचंद निरंजन और एमएलसी रमा निरंजन ने शिरकत की। सभी ने सरकार की महिला सशक्तिकरण नीतियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि सरकार महिलाओं की सुरक्षा और स्वावलंबन के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में महिलाओं और छात्राओं की भारी भागीदारी रही। प्रतिभागियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। मंच संचालन से लेकर समारोह के हर पहलू में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी देखी गई। कार्यक्रम मिशन शक्ति के उद्देश्यों को पूरा करने में सफल रहा।

जनपद में विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान 05 से 31 अक्टूबर तक संचालित किया जाएगा

रायबरेली, संवाददाता। मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय ने विकास भवन स्थित महात्मा गांधी सभागार में 05 से 31 अक्टूबर 2025 तक चलने वाले विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान तथा 11 से 31 अक्टूबर 2025 के मध्य दस्तक अभियान को लेकर जनपद स्तरीय अन्तर्विभागीय टास्क फोर्स की बैठक कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने संचारी रोगों की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए पूरी तैयारी समयबद्ध ढंग से किए जाने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि संचारी व विषाणु जनित रोगों के दृष्टिगत किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने कहा कि मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया, डायरिया आदि संचारी रोगों से जुडेध मामलों की आशंका को देखते हुए जनपद में अन्तर्विभागीय समन्वय से युद्धस्तर पर अभियान को आगे बढ़ाया जाए। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान जनपद में 05 से 31 अक्टूबर 2023 तक संचालित किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आगामी 05 अक्टूबर से पहले संचारी रोग नियंत्रण के संबंध में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर लें। उन्होंने कहा कि जनपद में दोनों अभियानों को सफल बनाने हेतु ब्लाक स्तर पर बैठक आयोजित कर ली जाये। बैठक में सम्बन्धित विभागों से समन्वय कर एक माइक्रो प्लान तैयार कर लिया जाये। उन्होंने कहा कि जितना अच्छा माइक्रोप्लान तैयार किया जायेगा, उतना ही बेहतर कार्य होगा। उन्होंने कहा कि बरसात के मौसम के पश्चात पोस्ट मानसून अभियान है, इसमें वेक्टर जनित रोगों की सम्भावना अधिक रहती है, जिसको ध्यान में रखते हुए माइक्रोप्लान तैयार किया जाये। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि इस अभियान के अंतर्गत तालाबों, नालों व नालियों में एण्टी लार्वा का छिड़काव तथा कूड़े का निस्तारण उचित ठीक ढंग से कराया जाए। अभियान में निगरानी समितियां डोर–टू–डोर सर्वे करेंगी और यदि कोई बच्चा बुखार आदि से ग्रसित होगा, तो उसे मेडिसिन किट उपलब्ध कराएंगी साथ ही महिलाओं तथा कुपोषित बच्चों को पुष्टाहार उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत व निकायों द्वारा स्वच्छता, सैनिटाइजेशन, फॉगिंग व शुद्ध पेयजल के लिए कार्य किया जाएगा। ग्रामीण स्तर पर संचारी रोगों के नियंत्रण हेतु तालाबोंध्नालों व नालियों की साफ–सफाई सुनिश्चित की जाए। वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम के लिए समय समय पर टीकाकरण अभियान चलाया जाए। उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिये कि जनपद में जलभराव व साफ सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाए तथा नालियों की साफ सफाई के साथ फॉगिंग भी कराया जाए। बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ नवीन चन्द्रा, जिला विकास अधिकारी अरुण कुमार, जिला स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी डी०एस० अस्थाना सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जन्म जयंती के अवसर पर जनसंघ संस्थापक पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी को भाजपा कार्यकर्ताओं ने अर्पित किया श्रद्धा सुमन

लालगंज रायबरेली। भारतीय जन संघ के संस्थापक पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्म जयंती पर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया है। इस अवसर पर भाजपा नेता अनूप पांडे ने कहा कि उनकी जन्म जयंती 25 सितंबर अंत्योदय दिवस के रूप में मनाई जाती है। यह दिन भारतीय समाज में गरीबों और वंचितों के उत्थान के प्रति समर्पण को दर्शाता है। भाजपा विधानसभा संयोजक सुशील शुक्ला ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय का अर्थ है ष्अंतिम व्यक्ति का उदयष् अर्थात समाज के सबसे गरीब और पिछड़े व्यक्ति को समाज की मुख्यधारा में लाना है। यह दिवस महान समाज सुधारक और भारतीय जनसंघ के सह–संस्थापक

पंडित दीनदयाल उपाध्याय से जुड़ा हुआ है, जिन्होंने अंत्योदय के विचार को अपने जीवन का प्रमुख लक्ष्य बनाया था। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की योजनाएं समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रही हैं और लोगों को उनका लाभ मिल रहा है। भाजपा मंडल अध्यक्ष मनोज अवस्थी ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जन्म 25 सितंबर 1916 को मथुरा, उत्तर प्रदेश में हुआ था। वे एक महान भारतीय विचारक, संगठनकर्ता और राजनीतिक नेता थे, जिन्होंने भारतीय समाज की जड़ों को मजबूत करने और देश के गरीब और वंचित लोगों के उत्थान के लिए आजीवन काम किया। भाजपा सभासद कैलाश बाजपेई ने कहा कि 1960 और 1970 के दशक में, उन्होंने अपनी विचारधारा के माध्यम से गरीबों के सशक्तिकरण और आर्थिक सुधार पर जोर दिया। पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने यह मान्यता दी कि जब तक समाज के अंतिम व्यक्ति का विकास नहीं होता, तब तक समाज का समग्र विकास संभव नहीं है। भाजपा नेता कौशलेंद्र कंचन ने कहा कि गरीबों के उत्थान की विचारधारा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के चलते उनके जन्मदिन को अंत्योदय दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसके अलावा भाजपा नेता सुरेंद्र गुप्ता, बाबू तिवारी, उमेश सिंह, चंदन त्रिवेदी, शिवम गुप्ता, राघवेंद्र सूर्यवंशी, आदि कार्यकर्ताओं ने भी पंडित दीनदयाल जी की जन्म जयंती मनाते हुए उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया है।

मजदूर संघ ने रेलवे बोर्ड के अधिकारी को कर्मचारियों की समस्याओं के बाबत सौपा ज्ञापन और निराकरण कराये जाने की हुई मांग

लालगंजरायबरेली।मॉर्डन रेल कोच फैक्ट्री के कर्मचारियो की अति महत्वपूर्ण मांगों के संबंध में एमसीएफ मजदूर संघ के अध्यक्ष आदर्श सिंह बघेल और महामंत्री सुशील गुप्ता के द्वारा ए एम पीयू सीताराम रिंकू को ज्ञापन सौप कर समस्याओं के निराकरण की मांग की गई है। मजदूर संघ का अध्यक्ष आदर्श सिंह बघेल ने बताया किआरेडिका के स्थापना के समय तत्कालीन प्रशासन ने 1000 कोच बनाने के लिए 5082 कर्मचारियों की मांग की थी जिसकी आज तक भर्ती नहीं हुई है और वर्तमान वित्तीय वर्ष में आरेडिका में 2025 कोच मात्र 2150 स्टाफ ने बनाए है । फैक्ट्री में कई वर्कशॉपो का विस्तार हुआ है ।इसके अलावा पहिया कारखाने का भी अधिग्रहण हो गया है। मजदूर संघ ने 6 से 7हजार कर्मचारियों की भर्ती किये जाने की मांग कीहै। कोच फैक्ट्री के लगातार रिकार्ड कोच उत्पादन को देखते हुये अन्य उत्पादन इकाइयों की तरह इन्सेंटिव तत्काल लागू किए जाने की भी मांग की गईहै।यूनियन के चुनाव कराने की भी मांग जोरदार तरीके से मजदूर संघ ने की है।पुरानी पेंशन को लागू किए जाने की मांग एक बार फिर से दोहराई गई है। रेकॉर्ड कोच उत्पादन के बाद भी हॉस्पिटल की उचित व्यवस्था नहीं है, जिसके चलते मजदूर संघ ने कर्मचारियों एवं उनके परिवार के उचित इलाज हेतु यहाँ समुचित व्यवस्था किये जाने की मांग एक बार फिर अधिकारियों के सामने रखी है।। साथ ही अल्ट्रासाउंड एवं स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की पोस्टिंग की भी मांग की गई है। केंद्रीय विद्यालय में कक्षाएं बढ़ने के साथ–साथ बाल वाटिका की भी मांग की गई है। लालगंज से लम्बी दूरी की ट्रेने भी चलाने की मांगहुई है। कोच फैक्ट्री में एईई के पदों को बढ़ाने की भी मांग ज्ञापन में हुई है जिससे सुपरवाइजर वर्ग की पदोन्नतिहो सके। इस अवसर पर अध्यक्ष आदर्श सिंह बघेल महामंत्री सुशील गुप्ता सहायक महामंत्री रामसन अग्रहरि कोषाध्यक्ष राकेश कुमार रामबरन वर्मा आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

सीडीओ ने ग्राम चौपाल रोस्टर जारी कर खंड विकास अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

रायबरेली, संवाददाता। मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय द्वारा माह अक्टूबर, नवम्बर एवं दिसम्बर, 2025 की तिथियों में सम्बन्धित ग्राम पंचायतों में आयोजित होने वाले ग्राम चौपालश से सम्बन्धित रोस्टर जारी कर समस्त खंड विकास अधिकारियों को निर्देश दिए है कि शासनादेश में निहित व्यवस्था के अन्तर्गत निर्धारित तिथियों में ग्राम चौपाल का आयोजन सुनिश्चित करयें। उपरोक्त माहों के निर्धारित तिथियों में ग्राम चौपाल के आयोजन का रोस्टर सम्बन्धित मा० जनप्रतिनिधियों को स्वयं उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। यथासंभव उनको रोस्टर की प्रति उपलब्ध कराते समय का फोटोग्राफ प्राप्त कर मोबाइल नम्बर पर या ई–मेल आईडी पर उपलब्ध कराकर इसका व्यापक प्रचार–प्रसार कराते हुए इस कार्यालय द्वारा निर्गत निर्देशों का सम्यक अनुपालन भी सुनिश्चित करे। ग्राम चौपाल के आयोजन के उपरान्त सम्बन्धित ग्राम पंचायत के चौपाल रजिस्टर का अवलोकन करने के उपरान्त खण्ड विकास अधिकारी द्वारा अपने पर्यवेक्षण में प्रगति सूचना उसी दिन रुरल सॉफ्ट पर फीड कराया जाना अनिवार्य है। ग्राम चौपाल के उपरान्त निर्धारित प्रारूप पर प्राप्त समस्याओं एवं उनके निस्तारण की आख्या एवं रूरल सॉफ्ट पर प्रगति फीड कराये जाने विषयक प्रमाण पत्र भी अनिवार्य रूप से जिला विकास अधिकारी, रायबरेली को उपलब्ध कराया जाये।

बालिकाओं को चुनरी ओढ़ा कर मनाया गया नवदुर्गा पर्व

लालगंज रायबरेली। सरस्वती शिशु मंदिर लालगंज में नवरात्रि के पावन अवसर पर बालिकाओं को चुनरी ओढ़ा कर नवदुर्गा पर्व मनाया गया। नवरात्रि के पावन अवसर पर आरएसएस धर्म जागरण के सह जिला संयोजक सुशील शुक्ला ने स्कूल की बालिकाओं से राष्ट्रीय ,धार्मिक और खेलकूद के विषयों में चर्चा करते हुए उन्हें समसामयिक गतिविधियों से अवगत कराया और सर्वांगीण विकास के लिए सभी विधाओं की जानकारी के लिए भी प्रेरित किया। स्कूल के छात्र–छात्राओं ने भी चर्चा में जोरदारी से प्रतिभाग किया और बड़े ही खुश नुमा माहौल में सभी प्रकार की जानकारी को साझा किया। कार्यक्रम का शुभारंभ जय जय श्री राम महामंत्र और भारत माता की जयकार के साथ किया गया। सुशील शुक्ला ने बच्चों को धार्मिक पीठों के विषय में अवगत कराया और कहा कि हम सभी को धार्मिक पीठों का दर्शन करने अवश्य जाना चाहिए। इस मौके पर भाजपा नेता अनूप पांडे ,कैलाश बाजपेई, मनोज अवस्थी, राघवेंद्र सूर्यवंशी, कौशलेंद्र कंचन ,बाबू तिवारी, सहित प्रधानाचार्य पाठक रामशरण अग्निहोत्री ,रमेश मिश्रा, रमेश बाजपेई ,दिवाकर आदि लोग मौजूद रहे।

सरस्वती शिशु मंदिर लालगंज में खेलकूद प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को किया गया पुरस्कृत -प्रबंधक कैलाशबाजपेई

लालगंजरायबरेली। बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष अनूप पांडे और सरस्वती शिशु मंदिर के प्रबंधक कैलाश वाजपेई के द्वारा खेलकूद प्रतियोगिता और गणित व वैदिक गणित प्रतियोगिताओं के सफल रहे बच्चों को पुरस्कृत किया गया। इस मौके पर अनूप पांडे ने कहा कि खेलकूद प्रतियोगिताओं से जहां बच्चों का जीवन स्वस्थ रहता है वही भविष्य में खेलकूद के सहारे आगे बढ़ने का भी सुंदर चांस मिलता है। कैलाश वाजपेई ने कहा कि स्कूल के बच्चों ने गणित व वैदिक गणित की संकुल प्रतियोगिता में भाग लेकर सराहनीय कार्य किया था। सभी बच्चों को पुरस्कृत किया गया है। मेधावी बच्चों को मैडल प्रदान करने के साथ–साथ अन्य सामग्री देकर प्रबंधन वर्ग ने उनका मनोबल बढ़ाने का सराहनीय कार्य किया है। खेलकूद की प्रतियोगिताएं प्रादेशिक स्तर पर सीतापुर में हुई थी और वैदिक गणित की प्रतियोगिता संकुल स्तर पर लालगंज सरस्वती विद्या मंदिर में हुई थी। पुरस्कार पाने वाले बच्चों में प्रशांत बाजपेई, कीर्ति सिंह, छवि बाजपेई ,अनमोल मिश्रा, आराध्या सिंह ,आर्या सिंह ,साक्षी सिंह, कुशाग्र, अक्षत, केशव प्रताप सिंह, माही गुप्ता ,अवनी मौर्य ,अक्षित मौर्य, वरुण प्रताप, कृष्णा शुक्ला, रिद्धि विश्वकर्मा, आद्या मिश्रा ,रिया यादव, संस्कृति ,आदित्य राज ,आराधना मिश्रा, अक्षय द्विवेदी शामिल रहे। इस मौके पर खेलकूद प्रतियोगिता को कराने वाले शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया ।कार्यक्रम के अवसर पर सुशील शुक्ला ,राघवेंद्र सूर्यवंशी, कौशलेंद्र कंचन, मनोज अवस्थी, बाबू तिवारी सहित प्रधानाचार्य सुरेश पाठक ,रमेश मिश्रा ,जगदेव प्रसाद ,रामशरण अग्निहोत्री, रमेश बाजपेई, रामनारायण ,सुरेश ,अशोक कुमार ,दिवाकर सिंह, शालिनी, दिव्यांशी, शिवांकरी ,आर्या, शिवांगी ,लक्ष्मी आदि शिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद रही।

लालगंज पुलिस ने मिशन शक्ति पुलिस के बाबत बहाई गांव में आयोजित की गोष्टी

लालगंज रायबरेली। क्षेत्राधिकारी अमित सिंह और प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह के पर्यवेक्षण के तहत बहाई गांव में मिशन शक्ति पुलिस को लेकर गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें महिला पुलिसकर्मियों ने गांव की महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया। उपनिरीक्षक अर्चना यादव ने महिलाओं को बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार की मिशन शक्ति पुलिस एक महत्वपूर्ण पहल है जिसका उद्देश्य महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मिशन शक्ति 5.0 का शुभारंभ किया है, जिसके तहत प्रदेश के सभी 1,647 पुलिस थानों में मिशन शक्ति केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं। मिशन शक्ति के अंतर्गत महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सशक्तिकरण के तहत महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने और आत्मनिर्भर बनाने पर जोर दिया जा रहा है।महिलाओं की सुरक्षा को लेकर महिला पुलिसकर्मियों की भागीदारी बढ़ाई जा रही है और एंटी–रोमियो स्क्वाड को मजबूत किया जा रहा है। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि यह पहल उत्तर प्रदेश को महिलाओं के लिए एक सुरक्षित और सशक्त प्रदेश बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। लालगंज में भी महिला हेल्प डेस्क के साथ–साथ महिला चौकी की स्थापना है, जहां पर महिला पुलिसकर्मियों की नियुक्ति है। 1076, 1930 ,181 ,और 1090, 1098 पर भी महिला अपनी शिकायतें कर सकती हैं। साथ ही एंबुलेंस 102 और 108 की सुविधा की भी जानकारी दी गई।गोष्ठी में महिला पुलिसकर्मी सोनम अवस्थी ,मैना वर्मा, निकिता पाल सहित सिपाही अंजुल कुमार, सत्यम, वीरेंद्र कुमार आदि मौजूद रहे।

वेस्टइंडीज सीरीज के लिए भारतीय टीम का एलान

करुण को नहीं मिली जगह, जडेजा बने उपकप्तान

मुंबई। वेस्टइंडीज के खिलाफ अगले महीने होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए गुरुवार को भारतीय टीम का एलान हो गया है। भारतीय टीम इस सीरीज में शुभमन गिल की अगुआई में उतरेगी, जबकि रवींद्र जडेजा उपकप्तान होंगे। वेस्टइंडीज के खिलाफ अगले महीने होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए गुरुवार को भारतीय टीम का एलान हो गया है। भारतीय टीम इस सीरीज में शुभमन गिल की कप्तानी में खेलने उतरेगी, जबकि रवींद्र जडेजा को उपकप्तान बनाया गया है। भारत और वेस्टइंडीज के बीच दो अक्तूबर को दो मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज के बाद पहली बार भारतीय टीम टेस्ट मैच खेलने उतरेगी। पंत की अनुपस्थिति में जुरेल संभालेंगे विकेटकीपिंग का जिम्मा वेस्टइंडीज के खिलाफ ध्रुव जुरेल विकेटकीपिंग का जिम्मा संभालेंगे। टीम के अनुभवी विकेटकीपर ऋषभ पंत चोट से पूरी तरह उबर नहीं सके हैं जिस कारण इस सीरीज के लिए उनका चयन नहीं किया गया है। पंत इंग्लैंड दौरे पर उपकप्तानी का जिम्मा भी संभाल रहे थे और उनकी अनुपस्थिति में अब यह जिम्मेदारी रवींद्र जडेजा को सौंपी गई है। यह पहले से ही तय माना जा रहा था कि पंत वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज का हिस्सा नहीं होंगे। ऐसे में जुरेल पर जिम्मेदारी होगी जिन्होंने इंग्लैंड दौरे पर भी पंत की अनुपस्थिति में विकेट के पीछे जिम्मेदारी निभाई थी। विकेटकीपर के तौर पर जुरेल पहली पसंद हैं, जबकि बैकअप के तौर पर एन जगीदशन को भी टीम में जगह दी गई है। बुमराह को नहीं दिया गया आराम एशिया कप में भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रामण की अगुआई कर रहे जसप्रीत बुमराह को वेस्टइंडीज के खिलाफ आराम नहीं दिया गया है। इंग्लैंड दौरे पर बुमराह के कार्यभार प्रबंध का ध्यान रखा गया था और उन्होंने पांच में से सिर्फ तीन मैच ही खेले थे। इसे देखते हुए माना जा रहा था कि व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम के मद्देनजर बुमराह को इस सीरीज से आराम मिल सकता है, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इस बात की भी पूरी संभावना है कि बुमराह प्लेइंग–11 का हिस्सा होंगे। वहीं, उनके साथ मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा तेज गेंदबाजी का जिम्मा संभालेंगे। करुण बाहर, सरफराज को नहीं मिली जगह इंग्लैंड दौरे से आठ साल बाद भारतीय टीम में जगह बनाने वाले करुण नायर को वेस्टइंडीज के खिलाफ टीम में जगह नहीं दी गई है। इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में उम्मीद के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर सके थे। इंग्लैंड के खिलाफ ओवल पर आखिरी टेस्ट में अर्धशतक जमाने वाले करुण ने सभी पारियों में अच्छी शुरुआत की। वह खराब फॉर्म में नहीं थे लेकिन ज्यादा रन नहीं बना सके। इसके बाद उनकी अंगुली में चोट लग गई और वह दलीप ट्रॉफी नहीं खेल सके। दूसरी ओर, सरफराज खान को एक बार फिर टेस्ट टीम में जगह नहीं दी गई है। सरफराज पिछले कुछ समय से अपनी फिटनेस पर भी काम कर रहे थे और उन्होंने घरेलू क्रिकेट में रन बनाए थे, लेकिन चयनकर्ताओं ने इस सीरीज के लिए उन्हें नहीं चुना है।

खराब फील्डिंग भारत के लिए खड़ी कर सकती है परेशानी, लगातार दूसरे मैच में छूटे कई कैच

दुबई। भारतीय टीम एशिया कप में अजेय बनी हुई है और उसने लगातार पांच मैच जीते हैं। भारत पहली टीम है जो फाइनल के लिए क्वालिफाई कर चुकी है, लेकिन कैच छोड़ना उसके लिए बड़ी चिंता बन गया है। मौजूदा टूर्नामेंट में भारत से सर्वाधिक कैच छूटे हैं। भारतीय टीम ने भले ही एशिया कप के फाइनल में जगह बना ली है, लेकिन जिस तरह से टूर्नामेंट में उसके खिलाड़ियों ने कैच छोड़े हैं, वो टीम के लिए मुसीबत खड़ी कर सकते हैं। भारत ने पहले पाकिस्तान के खिलाफ सुपर चार के मैच में कई कैच छोड़े थे, वहीं बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबले में भी भारतीय खिलाड़ियों का फील्डिंग में प्रदर्शन निराशाजनक रहा। हाल इतने खराब थे कि जीत की दहलीज पर पहुंचने के बावजूद खिलाड़ी कैच छोड़ने से बाज नहीं आ रहे थे। पाकिस्तान के खिलाफ छोड़े थे चार कैच भारतीय टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप के सुपर चार चरण के मैच में खराब फील्डिंग का प्रदर्शन किया था। पाकिस्तान के खिलाफ भारत ने उस मैच में कुल चार कैच छोड़े थे। पहला कैच पारी के पहले ही ओवर में छूटा, जब अभिषेक शर्मा ने हार्दिक पांड्या की गेंद पर फरहान का आसान कैच टपका दिया। उस समय फरहान खाता भी नहीं खोल पाए थे। दूसरा मौका पांचवें ओवर की चौथी गेंद पर आया, जब कुलदीप यादव की गेंद पर फरहान 16 रन के स्कोर पर थे और कैच हाथ में होते हुए भी पकड़ में नहीं पाए। तीसरा जीवनदान फिर अभिषेक शर्मा ने ही दिया, जिन्होंने आठवें ओवर की तीसरी गेंद पर फरहान का कैच छोड़ दिया। उस समय फरहान का स्कोर 39 रन था। फरहान ने इन जीवनदान का पूरा फायदा उठाया और 34 गेंदों पर अर्धशतक जड़ा। बांग्लादेश के खिलाफ भी दिखी कमजोर फील्डिंग।

सफलता के बावजूद सूर्यकुमार यादव की फॉर्म ने भारत के लिए बढ़ाई चिंता

नई दिल्ली। सूर्यकुमार यादव बल्ले से चमक बिखेरने में लगातार असफल हो रहे हैं। बांग्लादेश के खिलाफ मैच में यह देखने को मिला कि जैसे ही अभिषेक आउट हुए भारत की रनों की रफ्तार धीमी पड़ गई। मध्यक्रम के बल्लेबाज या तो सस्ते में पवेलियन लौटे या उन्हें रन बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ा। भारतीय टीम ने अजेय रहते हुए लगातार पांच मैच जीतकर एशिया कप 2025 के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। भारत ने बुधवार को सुपर चार चरण के मैच में बांग्लादेश को हराकर फाइनल के लिए क्वालिफाई कर लिया है। भारतीय टीम का प्रदर्शन मौजूदा टूर्नामेंट में काफी अच्छा रहा है और टीम अजेय बनी हुई है। भारत को लगातार सफलता मिल रही है, लेकिन कप्तान सूर्यकुमार यादव की फॉर्म ने उसके लिए चिंता बढ़ा दी है। अभिषेक के आउट होने के बाद लड़खड़ा रही पारी भारत को फाइनल से पहले अब शुक्रवार को श्रीलंका का सामना करना है। टीम इस मैच में अपना मजबूत और कमजोर पक्ष दोनों को देखना चाहेगी क्योंकि खिताब के इतने करीब आकर सूर्यकुमार की अगुआई वाली टीम कोई गलती करने से बचना चाहेगी। बल्लेबाजी में अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल पिछले दो मैचों से टीम को अच्छी शुरुआत दिला रहे हैं। अभिषेक ने सामने से जिम्मेदारी निभाई है और लगातार दो मैच में अर्धशतक लगा चुके हैं। दूसरी ओर, सूर्यकुमार यादव बल्ले से चमक बिखेरने में लगातार असफल हो रहे हैं। बांग्लादेश के खिलाफ मैच में यह देखने को मिला कि जैसे ही अभिषेक आउट हुए भारत की रनों की रफ्तार धीमी पड़ गई। मध्यक्रम के बल्लेबाज या तो सस्ते में पवेलियन लौटे या उन्हें रन बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ा। मौजूदा एशिया कप में सूर्यकुमार का प्रदर्शन मौजूदा एशिया कप में सूर्यकुमार चार बार बल्लेबाजी के लिए उतरे हैं। उन्होंने अब तक 7, 47, 0 और 5 रनों की पारी खेली है। इससे पहले साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज में भी वह संघर्ष करते नजर आए थे। उन्होंने उस सीरीज में 5.60 की औसत से 28 रन बनाए थे जिसमें दो बार शून्य पर आउट होना भी शामिल है। सूर्यकुमार टी20 के विस्फोटक बल्लेबाज माने जाते हैं, लेकिन पिछले कुछ समय से जिस तरह उनका बल्ला खामोश है, उसने भारतीय ड्रेसिंग रूम की बेचेनी बढ़ा रखी है। भारतीय टीम के दिग्गज खिलाड़ी रहे सुनील गावस्कर ने भी इस मामले को लेकर अपनी राय रखी। उन्होंने एक न्यूज चौनल से कहा, कप्तान के लिए जरूरी है कि वह आकर कुछ रन बनाए।

रिलायंस ने केंद्र के साथ 40000 करोड़ रुपये का एमओयू साइन किया, खाद्य विनिर्माण सुविधाओं के लिए करार

नई दिल्ली। रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (आरसीपीएल) ने गुरुवार को देश भर में एकीकृत खाद्य विनिर्माण सुविधाएं स्थापित करने के लिए खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के साथ 40,000 करोड़ रुपये के समझौते पर हस्ताक्षर किए। आइए इस बारे में विस्तार से जानें। रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (आरसीपीएल) ने गुरुवार को देश भर में एकीकृत खाद्य विनिर्माण सुविधाएं स्थापित करने के लिए खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के साथ 40,000 करोड़ रुपये के समझौते पर हस्ताक्षर किए। सूत्रों के अनुसार इससे जुड़े समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर नई दिल्ली में विश्व खाद्य भारत 2025 कार्यक्रम के दौरान हस्ताक्षर किए गए। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अगस्त में अपनी वार्षिक आम बैठक में निवेश योजना की घोषणा करते हुए बताया था कि वह ष्एआई–संचालित स्वचालन, रोबोटिक्स और टिकाऊ तकनीक के साथ एशिया का सबसे बड़ा एकीकृत फूड पार्क बनाएगी।ष आरसीपीएल रिलायंस रिटेल से उभरकर रिलायंस इंडस्ट्रीज की प्रत्यक्ष सहायक कंपनी बन गई है। यह भारत की सबसे तेजी से बढ़ती फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स कंपनियों में से एक बन गई है। इसने स्थापना के बाद से केवल तीन वर्षों में 11,000 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व अर्जित किया है। समझौता ज्ञापन के तहत, आरसीपीएल महाराष्ट्र के कटोल, नागपुर और आंध्र प्रदेश के कुरनूल में खाद्य उत्पादों और पेय पदार्थों के लिए एकीकृत सुविधाएं स्थापित करने के लिए 1,500 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करेगी। अगस्त की वार्षिक आम बैठक में रिलायंस इंडस्ट्रीज की निदेशक ईशा अंबानी ने कहा कि आरसीपीएल समूह के ष्विकास इंजनोंष में से एक है और इसका लक्ष्य वैश्विक उपस्थिति के साथ पांच वर्षों के भीतर 1 लाख करोड़ रुपये का राजस्व हासिल करना है।

एयरबस निदेशक मंडल की बैठक अगले सप्ताह की शुरुआत में पहली बार दिल्ली में होगी

नई दिल्ली। भारत के नागरिक उड्डयन और रक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपस्थिति रखने वाली एयरबस, भ125 हेलीकॉप्टरों और ब295 सैन्य विमानों के लिए दो फाइनल असेंबली लाइनें भी स्थापित कर रही है। कंपनी के निदेशक मंडल की बैठक जल्द ही पहली बार भारत की राजधानी नई दिल्ली में होने वाली है। आइए जानें इस बारे में क्या अपडेट हैं। विमान निर्माता कंपनी एयरबस अगले सप्ताह की शुरुआत में राष्ट्रीय राजधानी में अपने निदेशक मंडल की बैठक आयोजित करेगी। यह पहली बार होगा कि एयरबस बोर्ड की बैठक भारत में होगी। भारत इस प्रमुख एयरोस्पेस कंपनी के लिए एक प्रमुख बाजार है। कंपनी भारत से पहले से ही 1.4 अरब डॉलर से अधिक मूल्य की सेवाएं और घटक प्राप्त करता है। एयरबस के प्रवक्ता ने गुरुवार को कहा कि कंपनी भारत के प्रतिभा पूल, इसके संपन्न औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र और इसके स्पष्ट श्मेक इन इंडियाश विजन में बड़ी संभावनाएं देखती है। भारत के नागरिक उड्डयन और रक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपस्थिति रखने वाली एयरबस, भ125 हेलीकॉप्टरों और ब295 सैन्य विमानों के लिए दो फाइनल असेंबली लाइनें भी स्थापित कर रही है। दोनों फाइनल असेंबली लाइनें टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड के साथ मिलकर स्थापित की जा रही हैं। अधिकारी ने बताया कि एयरबस के निदेशक मंडल की बैठक अगले सप्ताह की शुरुआत में राष्ट्रीय राजधानी में होगी। विमान निर्माता कंपनी की ओर से छह दशक पहले यहां परिचालन शुरू करने के बाद यह पहली बार होगा कि बोर्ड की बैठक भारत में हो रही है। एयरबस वेबसाइट के अनुसार, बोर्ड में 12 सदस्य हैं, जिसके अध्यक्ष रेने ओबरमैन हैं। एयरबस के प्रवक्ता ने कहा कि निदेशक मंडल की भारत यात्रा एक महत्वपूर्ण क्षण है और यह देश इसके वैश्विक परिचालन के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र है। प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, ष्हम पहले ही प्रतिवर्ष 1.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक के कलपुर्जों और सेवाओं की आपूर्ति का लक्ष्य पार कर चुके हैं। हम इस आंकड़े को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाने की दिशा में अग्रसर हैं, क्योंकि हम भारत को अपनी वैश्विक मूल्य श्रृंखला में और अधिक एकीकृत करना जारी रखेंगे।ष अन्य कम्पनियों के अलावा, इंडिगो और एयर इंडिया ने मिलकर एयरबस को 1,000 से अधिक विमानों का ऑर्डर दिया है। प्रवक्ता के अनुसार भारत में एयरबस का निवेश हर क्षेत्र में बढ़ रहा है, जिसमें बेंगलुरु में बढ़ते इंजीनियरिंग और डिजिटल केंद्र शामिल हैं, जो इसके विश्वव्यापी परिचालन के अभिन्न अंग हैं, तथा इसके औद्योगिक क्षेत्र का विस्तार भी शामिल है। प्रवक्ता ने कहा कि यह यात्रा प्रतिबद्धता को मजबूत करेगी तथा भारत के एक विश्वसनीय साझेदार के रूप में एयरबस की भूमिका को मजबूत करेगी। मार्च में एयरबस के सीईओ गिलियूम फाउरी ने कहा था कि विमान निर्माता कंपनी भारत से कलपुर्जों और सेवाओं की वार्षिक आपूर्ति में उल्लेखनीय वृद्धि की जाएगी। यह 2030 से पहले 2 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगी।

संक्षिप्त

इंडियन फुटबॉल के लिए बुरी खबर, 2026 एशियाई खेलों में हिस्सा नहीं ले पाएगी पुरुष टीम, यहां जानें कारण

भारतीय फुटबॉल प्रेमियों के लिए बुरी खबर है। दरअसल, साल 2018 में एशियाई खेलों में हिस्सा नहीं ले पाने के बाद भारतीय फुरुष फुटबॉल टीम का अगले साल होने वाले एशियन गेम्स में हिस्सा लेना एक बार फिर असंभव लग रहा है। बता दें कि, भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम को एशियाई खेलों में हिस्सा लेने के लिए फिर सरकार की दया पर निर्भर होगी। वहीं जापान के आइची–नागोया में 20वें एशियाई खेल होने हैं। इस बहुत–खेल प्रतियोगिता का 19 सितंबर से 4 अक्टूबर 2026 तक होना है। टोक्यो में 1958 और हिरोशिमा में 1994 के बाद नागोया एशियाई खेलों की मेजबानी करने वाला तीसरा जापानी शहर होगा। खेल मंत्रालय ने बुधवार 24 सितंबर 2025 को आइची–नागोया एशियाड के लिए व्यक्तिगत एथलीटों और टीमों की पात्रता के लिए विस्तृत दिशानिर्देश जारी किए। ताजा स्थिति के अनुसार, एशिया में 24वें स्थान पर काबिज फुटबॉल टीम उन सख्त मानदंडों को पूरा नहीं करती है जिनके अनुसार केवल पदक जीतने की क्षमता रखने वाली टीमों और एथलीटों को ही इस महाआयोजन में देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना जाएगा। बता दें कि, खेल मंत्रालय की तरफ से जारी परिपत्र में कहा गया है कि फुटबॉल और हॉकी जैसे टीम खेलों और रिले, युगल और मिश्रित युगल जैसी टीम स्पर्धाओं के लिए मानक एशियाई चौंपियनशिप में शीर्ष आठ में स्थान या महाद्वी में टॉप 8 रैंकिंग होगी।

भारतीय टीम को इस बड़ी कमजोरी को सुधारना होगा, फाइनल में हो सकती है मुश्किल

भारत ने बांग्लादेश को 41 रनों से हराकर एशिया कप 2025 के फाइनल में एंट्री कर ली है। लेकिन टीम इंडिया की फील्डिंग फिर सवालों के घेरे में है। दरअसल, भारत ने इस मैच में कुल 5 कैच छोड़े, जिससे पूरे टूर्नामेंट में उन्होंने अपने नाम एक अनचाहा रिकॉर्ड दर्ज करा लिया। अब तक टीम इंडिया ने टूर्नामेंट में कुल 12 कैच ड्रॉप किए हैं। ये किसी भी टीम का अब तक का सबसे खराब रिकॉर्ड है। वहीं भारत और बांग्लादेश के बीच खेले गए एशिया कप सुपर–4 के इस मैच में एक रिकॉर्ड ऐसा भी बना, जहां मैच में कुल भारत ने 5 कैच ड्रॉप किए। वहीं बांग्लादेश के बल्लेबाज सैफ हसन के चार कैच एक ही पारी में छूटे। ऐसा टी20 आई में बहुत कम देखने को मिलता है। इससे पहले ये जेसन रॉय, मोम्मद हफीज और पथुम निसंका के साथ देखा गया था। ापं ब्नच 2025 में छोड़े गए मैच भारत–12 कैचिंग एफिशिएंसीरू (67.5:) हांगकांग–11 (52.1:) बांग्लादेश– 8 (74.1:) श्रीलंका– 6 (68.4:) अफगानिस्तान–4 (76.4:) ओमान– 4 (76.4:) पाकिस्तान– 3 (86.3:) यूएई– 2 (85.7:) वहीं इस एशिया कप में टीम इंडिया अब सबसे ज्यादा कैच छोड़ने वाली टीम बन गई है। हॉगकांग चीन अब दूसरे नंबर पर है। एशिया कप 2025 में सबसे ज्यादा कैच भारतीय टीम ने छोड़े हैं। भारतीय टीम के खिलाड़ी अब तक 12 कैच इस टूर्नामेंट में टपका चुके हैं। हालांकि,5 मैचों में ऐसा हुआ है और बांग्लादेश के खिलाफ मैच में भारत ने सबसे ज्यादा कैच छोड़े।

वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए टीम इंडिया का ऐलान, करुण नायर को नहीं मिली जगह

अगले महीने से शुरू होने वाली भारत–वेस्टइंडीज टेस्ट सीरीज के लिए बीसीसीआई ने टीम इंडिया की टेस्ट टीम का ऐलान कर दिया है। इस सीरीज का पहला मैच 2 अक्तूबर से खेला जाना है। वहीं दूसरा टेस्ट 10 अक्तूबर को होना है। वहीं इस सीरीज के लिए टीम इंडिया में कई बदलाव हुए हैं। जहां टीम की कमान शुभमन गिल को सौंपी गई है वहीं रवींद्र जडेजा को टीम का उपकप्तान बनाया गया है। सीरीज के लिए अक्षर पटेल की वापसी हुई है जो इंग्लैंड दौरे से बाहर थे। वहीं करुण नायर का पत्ता कट गया है। इसके अलावा श्रेयस अय्यर को इस सीरीज के लिए सेलेक्ट नहीं किया गया है। क्योंकि उन्होंने बीसीसीआई से 6 महीने का रेड बॉल क्रिकेट से लंबा ब्रेक लिया है। अजीत अगरकर ने वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए टीम इंडिया से करुण नायर और शार्दुल ठाकुर को ड्रॉप किया है। बता दें कि, ये दोनों खिलाड़ी टीम में शामिल थे। अभिमन्यू ईश्वरन को भी टीम में शामिल नहीं किया गया। इस दौरान अजीत अगरकर ने बताया कि ऑलराउंडर अक्षर पटेल और टॉप ऑर्डर बैटर देवदत्त पडिक्कल की वापसी हुई है। अक्षर ने आखिरी टेस्ट भारत के लिए 2024 फरवरी में खेला था, जबकि पडिक्कल ने 2024 नवंबर के महीने में टीम के लिए आखिरी टेस्ट मैच खेला था। वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए टीम इंडिया शुभमन गिल (कप्तान), रवींद्र जडेजा (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल, ध्रुव जुरेल, वॉशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल, नितीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, कुलदीप यादव, नारायण जगदीशन।

भारत–पाक क्रिकेट में भड़काऊ हरकतों पर हंगामा!

भारत ने एशिया कप सुपर 4 मैच के दौरान भड़काऊ इशारे करने वाले पाकिस्तान के क्रिकेटरों हारिस रऊफ और साहिबजादा फरहान के खिलाफआईसीसी के पास आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई है। समझा जाता है कि बीसीसीआई ने बुधवार को दोनों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई और आईसीसी को ईमेल भेजा है। आईसीसी इस मामले में सुनवाई करेगी क्योंकि साहिबजादा और रऊफ ने लिखित में इन आरोपों का खंडन किया है। उन्हें सुनवाई के लिये आईसीसी एलीट पेनल के रैफरी रिची रिचर्डसन के सामने पेश होना पड़ सकता है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने की सूर्यकुमार यादव की आधिकारिक शिकायत पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने जवाबी कार्रवाई में भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव की आधिकारिक शिकायत की है जिन्होंने 14 सितंबर को पाकिस्तान पर मिली जीत को आपरेशन सिंदूर में शामिल भारतीय सशस्त्र बलों को समर्पित करते हुए पहलगाम आतंकवादी हमले के पीड़ितों के प्रति एकजुटता दिखाई थी। पीसीबी ने आरोप लगाया है कि सूर्यकुमार की टिप्पणी राजनीतिक थी। अभी तकनीकी तौर पर यह देखना होगा कि शिकायत कब दर्ज कराई गई है क्योंकि टिप्पणी के सात दिन के भीतर ही शिकायत की जा सकती थी।

सम्पादकीय

लद्दाख की शांति भंग, कसूरवार कौन?

एजेन्सी

> *लद्दाख के हालात नेपाल जैसे तो नहीं हैं, लेकिन नौजवानों का गुस्सा जिस तरह फूटा है, वह साधारण बात नहीं है। न ही इसे हल्के में लिया जाना चाहिए। कायदे से तो वादाखिलाफी करने पर नैतिक आधार पर नरेन्द्र मोदी और अमित शाह दोनों को इस्तीफा देना चाहिए।*

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की नाकामी का एक और बड़ा उदाहरण बुधवार को लद्दाख से सामने आया। जहां नाराज छात्रों ने भाजपा कार्यालय को ही आग लगा दी। लद्दाख के हालात नेपाल जैसे तो नहीं हैं, लेकिन नौजवानों का गुस्सा जिस तरह फूटा है, वह साधारण बात नहीं है। न ही इसे हल्के में लिया जाना चाहिए। कायदे से तो वादाखिलाफी करने पर नैतिक आधार पर नरेन्द्र मोदी और अमित शाह दोनों को इस्तीफा देना चाहिए। लेकिन जब इन लोगों ने ढाई सालों से अशांत मणिपुर के मामले में इस्तीफा नहीं दिया, पुलवामा, पहलगाम पर आगे बढ़कर जिम्मेदारी नहीं ली, तो अब इनसे किसी भी नैतिक पहल की उम्मीद बेकार ही है। फिर भी सत्ता की बागडोर अपने हाथों में रखकर सबसे शक्तिशाली बने इन दोनों लोगों को बार–बार ये याद दिलाना ही होगा कि आपकी मर्जी से लिया गया हर फैसला सही नहीं होता है, न ही अब वो जमाना है जिसमें लोग चुपचाप आपके मन की बात सुन लें। आज का युवा वादाखिलाफी को बहुत देर तक बर्दाश्त नहीं कर सकता है। लद्दाख हमेशा से एक शांत इलाका रहा है। बौद्ध धर्म की बहुलता वाले इस प्रांत में अपराध दर भी कम है। यहां की प्राकृतिक सुंदरता दुनिया भर में प्रसिद्ध है और हर साल बड़ी संख्या में सैलानी इस दुर्गम इलाके तक पहुंचते हैं। अब तक सारी सकारात्मक बातों के लिए मशहूर लद्दाख में अब ये दुखद प्रसंग भी जुड़ गया है कि यहां नाराज युवा ने भाजपा कार्यालय में आग लगा दी। जुलाई में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक लेख में लिखा था कि, श्लद्दाख में उन्हें सबसे ज्यादा जो चीज प्रभावित करती है, वह असाधारण जीवंत रंग और शांति का भाव। उनके लेख पर प्रधानमंत्री मोदी की तरफ से कहा गया था कि निर्मला सीतारमण लिखती हैं कि कैसे बेहतर कनेक्टिविटी और लद्दाख को उपलब्ध कराए जा रहे प्रचुर संसाधन केंद्र शासित प्रदेश को लाभ पहुंचा रहे हैं। श्री मोदी ने लद्दाख पर अपनी वाहवाही लूटने का कभी कोई मौका नहीं छोड़ा। अब देखना होगा कि हालात बिगड़ने पर भी वे उसी तत्परता से गलती स्वीकार करते हैं या नहीं। बता दें कि केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर लेह में बुधवार को हिंसक प्रदर्शन हुआ। छात्रों की पुलिस और सुरक्षाबलों से झड़प हो गई। छात्रों ने भाजपा ऑफिस में आग लगा दी। पुलिस पर पत्थरबाजी की, और सीआरपीएफ की गाड़ी में आग लगा दी। आंदोलनकारियों ने मंगलवार की रात को ही 24 सितंबर को लद्दाख बंद का आह्वान किया था। भीड़ जुटाने के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल किया। लोगों से लेह हिल काउंसिल पहुंचने की अपील की। इसका असर दिखा और बड़ी तादाद में लोग पहुंचे। लेह हिल काउंसिल के सामने आंदोलनकारियों को रोकने के लिए पुलिस ने बैरिकेड्स लगा रखे थे। जब आंदोलनकारी आगे बढ़े तो पुलिस ने आंसू गैस छोड़ी, इसके बाद हिंसा शुरु हो गई। आंदोलनकारी छात्र सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के समर्थन में उतरे थे। हालांकि पिछले 15 दिनों से लद्दाख को छठी अनुसूची में शामिल करने और पूर्ण राज्य के दर्जे की मांग को लेकर भूख हड़ताल पर बैठे श्री वांगचुक ने इस हिंसा के बाद अनशन तोड़ दिया और कहा कि यह लद्दाख के लिए दुख का दिन है। हम पांच साल से शांति के रास्ते पर चल रहे थे। अनशन किया, लेह से दिल्ली तक पैदल चलकर गए। आज हम शांति के पैगाम को असफल होते हुए देख रहे हैं। हिंसा, गोलीबारी और आगजनी हो रही है। मैं लद्दाख की युवा पीढ़ी से अपील करता हूं कि इस बेवकूफी को बंद करें। हम अपना अनशन तोड़ रहे हैं, प्रदर्शन रोक रहे हैं। सोनम वांगचुक ने हिंसा का समर्थन न कर बिल्कुल सही फैसला किया है, क्योंकि हिंसा किसी मसले का समाधान नहीं कर सकती। अब गेंद केंद्र सरकार के पाले में है कि वह एक अच्छे–खासे प्रांत को इस हाल में पहुंचा कर क्या फैसला लेती है। गौरतलब है कि साल 2019 में अनुच्छेद 370 और 35 ए हटाते समय जम्मू–कश्मीर और लद्दाख दो केंद्र शासित प्रदेश बनाए गए थे। सरकार ने उस समय ही राज्य के हालात सामान्य होने पर पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने का भरोसा दिया था। लेकिन न जम्मू–कश्मीर को आज तक पूर्ण राज्य का दर्जा मिला, न लद्दाख को। जम्मू–कश्मीर में तो चुनाव भी तब जाकर हुए, जब सर्वोच्च अदालत ने अल्टीमेटम दिया था। लद्दाख की मांगों पर लेह एपेक्स बॉडी और कारगिल डेमोक्रेटिक एलायंस सरकार से कई दौर की बातचीत पहले ही कर चुके हैं, लेकिन ठोस नतीजा सामने नहीं आया।

लेह में हिंसा की तपिश

केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को राज्य का दर्जा देने व संविधान के अंतर्गत विशेष संरक्षण देने वाली छठी अनुसूची में शामिल करने के लिये चल रहे आंदोलन का हिंसक होना दुर्भाग्यपूर्ण है। दरअसल, पर्यावरणविद् और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक बीते पंद्रह दिनों से अनशन पर थे। इन्हीं मुद्दों के समर्थन में यह आंदोलन चल रहा था। हालांकि, हिंसा के बाद उन्होंने अपना अनशन त्याग दिया है। उन्होंने आंदोलनकारियों से शांति की अपील की है। हिंसा व आगजनी के बाद केंद्र शासित प्रदेश में संचारबंदी लागू की गई है। समाचार माध्यमों में कुछ आंदोलनकारियों के मारे जाने की बात भी कही जा रही है। उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ वर्षों से केंद्रशासित प्रदेश में लद्दाख को पूर्ण राज्य देने की मांग को लेकर समय–समय पर विरोध प्रदर्शन हुए हैं। बताया जाता है कि पिछले पैंतीस दिनों से कुछ लोग अनशन कर रहे थे। परसों उनमें से दो लोगों की तबीयत खराब होने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिसके बाद लोगों में आक्रोश बढ़ा। प्रतिक्रिया स्वरूप लेह बंद का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया। यह प्रदर्शन कालांतर हिंसक प्रतिरोध में बदल गया। घटनाक्रम के बाद जम्मू–कश्मीर के विपक्षी दलों ने हिंसा के लिये केंद्र को निशाने पर लिया है। कहा गया कि आंदोलनकारी लेह की अस्मिता को संरक्षण देने और स्थानीय युवाओं को रोजगार देने की मांग कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि केंद्र व लद्दाख के प्रतिनिधियों के बीच आगामी माह में एक वार्ता का दौर निर्धारित था,लेकिन आंदोलनकारी इससे पहले ही इस दिशा में पहल की मांग करते रहे हैं। जम्मू–कश्मीर के विपक्षी दलों के नेता लद्दाख को केंद्रशासित प्रदेश बनने के बाद लोगों की आकांक्षा पूर्ण न होने पर उपजे आक्रोश को लेकर सवाल उठा रहे हैं। उनका कहना है कि लेह के लोग अधूरे वायदों से खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं और इसी वजह से आंदोलनकारियों की हिंसक अभिव्यक्ति सामने आई है। जम्मू–कश्मीर के विपक्षी नेताओं द्वारा सवाल उठाये जा रहे हैं कि 2019 में केंद्र शासित प्रदेश बनने पर जश्न मनाने वाले लद्दाख के लोगों में आज आक्रोश क्यों पनप रहा है? वे इस अभिव्यक्ति के आलोक में जम्मू–कश्मीर के राज्य के दर्जे को फिर वापस लौटने की भी मांग कर रहे हैं। निस्संदेह, लेह चीन की सीमा से लगा सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र है, जिसके मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर सुलझाया जाना जरूरी है। उल्लेखनीय है कि लेह के आंदोलनकारी कई सालों से भूमि संरक्षण व संस्कृति की रक्षा के लिये इस केंद्रशासित प्रदेश को संविधान की छठी अनुसूची का कवच देने तथा पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग करते रहे हैं। उनका कहना था कि केंद्र शासित प्रदेश बनने से क्षेत्र के लोगों की आंकाक्षा पूरी नहीं हुई। एक बड़ा मुद्दा क्षेत्र के युवाओं की बेरोजगारी रही है। युवाओं की दलील है कि क्षेत्र के युवाओं को पहले जम्मू–कश्मीर पब्लिक सर्विस सेलेक्शन कमीशन में राजपत्रित अधिकारी पदों के लिये आवेदन का मौका मिलता था, जो लद्दाख के केंद्रशासित प्रदेश बनने के बंद हो गया। स्थानीय युवा अब केंद्रीय कर्मचारी चयन आयोग की स्पर्द्धा में टिक पाने में दिक्कत महसूस करते हैं। वहीं दूसरी ओर स्थानीय नौकरियों में युवाओं के लिये कोई विशेष अभियान भी नहीं चला। जिससे बेरोजगारों में खासा रोष व्याप्त रहा है। वहीं लद्दाख की अस्मिता को संरक्षित करने के लिये छठी अनुसूची की मांग लंबे समय से की जाती रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि भाजपा ने वर्ष 2019 के घोषणापत्र में लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और छठी अनुसूची में शामिल करने का वायदा किया था। लेकिन अब इस पर आनाकानी की जा रही है। आंदोलनकारी इसके अलावा कारगिल व लेह को लोकसभा सीट बनाने और स्थानीय लोगों को सरकारी नौकरियों में वरीयता देने की भी मांग कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि संविधान के अनुच्छेद 244 की छठी अनुसूची में ऐसी स्वायत्त व अधिकार संपन्न प्रशासनिक इकाइयों का प्रावधान है, जिनके पास जल–जंगल व उद्योगों को लेकर क्षेत्र की संस्कृति व संरक्षण हेतु निर्णय करने का अधिकार होता है।

तनाव भड़काने की साजिश?

– मृत्युंजय दीक्षित

तमाम कट्टरपंथी और मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति करने वाले तत्व इस आग में घी डालने का प्रयास कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक वीडियो और कमेंट पोस्ट करके तनाव बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश के कानपुर में बारावफात जुलूस के दौरान लगे, "आई लव मोहम्मद" बोर्ड से शुरू हुआ विवाद अब देशभर में फैल रहा है। उत्तर प्रदेश के उन्नाव, बरेली, लखनऊ, महराजगंज, जालौन से लेकर कैसरगंज समेत कई शहरों में मुस्लिम समाज अत्यंत उग्रता के साथ जुलूस निकाल रहा है। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के बहुत ही सघन मुस्लिम बहुल इलाके में भी "आई लव मोहम्मद" लिखा बैनर टांगा गया है जिसके कारण स्थानीय स्तर पर तनाव अनुभव किया गया। इन जुलूसों में कई जगह पुलिस से टकराव और पथराव भी हो रहा है। मुस्लिम समाज के लोग व मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति में संलिप्त रहने वाले लोग इसे मुस्लिम समाज का जेन–जी आंदोलन कहकर आग में घी डालने का कुत्सित प्रयास करते नजर आ रहे हैं जो तनाव को और बढ़ा रहा है। सोची समझी रणनीति के अंतर्गत इस आंदोलन में नाबालिग बच्चों को आगजनी और पुलिस पर पथराव करने के लिए आगे किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश से शुरू हुयी ये अराजकता अब उत्तराखंड के काशीपुर और तेलंगना के हैदराबाद समेत देश के कई शहरों में पहुँच गई है। आइ लव मोहम्मद के समर्थन में उत्तराखंड में पुलिस बल पर सीधा पथराव तथा हमला किया गया, हमले में जिसमें महिला पुलिस कर्मी भी अभद्रता और मार पीट का शिकार हुयीं। पुलिस की गाड़ियाँ तोड़ दी गयीं। यही हाल गुजरात के गोधरा शहर में भी हुआ और महाराष्ट्र के नागपुर में भी। इन प्रदर्शनों के दौरान "सिर तन से जुदा" आरै लब्बैक–लब्बैक जैसे बेहद आक्रामक और आपत्तिजनक नारे लगाए जा रहे हैं। इस पूरे विवाद की पटकथा उत्तर प्रदेश के कानपुर से शुरू हुई। कानपुर के रावतपुर में बारावफात जुलूस निकाला जा रहा था। जिस मार्ग पर जुलूस निकाला जा रहा था उसी रास्ते पर एक जगह श्श्आई लव मोहम्मदश्श का साइन बोर्ड लगा दिया गया। इसको लेकर हिंदू पक्ष ने विरोध किया और आरोप लगाया कि यहां नई परंपरा शुरू की जा रही है। दोनों पक्षों में तनाव बढ़ता देखकर पुलिस ने हस्तक्षेप किया और किसी प्रकार से मामला यह कहकर शांत करवाया कि नियम है कि जुलूस में किसी तरह की नई परंपरा नहीं डाली जाएगी। किन्तु बारावफात के जुलूस के दौरान कुछ लोगों ने नई परंपरा डालते हुए परंपरा वाली जगह पर ही टेंट और साइन बोर्ड फिर से लगवा दिया। पुलिस ने स्पष्ट किया कि, "आई लव मोहम्मद" को लेकर कोई भी मुकदमा दर्ज नहीं किया गया है। इस बीच संभवतः पूर्व नियोजित साजिश के अनुसार कानपुर में मुस्लिम पक्ष ने हिंदू पक्ष पर आरोप लगाया कि उसने साइन बोर्ड को फाड़ दिया था। वहीं हिंदू पक्ष ने इसका खंडन करते हुए कहा कि मुस्लिम पक्ष के जुलूस में शामिल लोगों ने हिन्दुओं के धार्मिक पोस्टर फाड़े। पुलिस के बीच–बचाव के बाद ऐसा लगा कि अब मामला शांत हो गया है। बाद में कानपुर पुलिस ने बारावफात के जुलूस के दौरान "आई लव मोहम्मद" नाम का एक नया बोर्ड बनाकर नई परंपरा शुरू करने और सांप्रदायिक सौहार्द्र बिगाड़ने के लिए मुकदमा दर्ज किया। इस बीच पहले से तैयार बैठे एआईएमआईएम नेता और सांसद असदुददीन ओवैसी ने सोशल मीडिया एक्स पर कानपुर पुलिस को टैग करते हुए एक पोस्ट लिखा कि, श्श्आई लव मोहमदश्श कहना जुर्म नही है अगर है तो इसकी हर सजा मंजूर हैं। ओवैसी ने जिस पोस्ट को लेकर कोट किया था उसमें दावा किया गया था कि मुस्लिम पक्ष की ओर से कथित तौर पर नई परंपरा शुरू करने को लेकर पुलिस ने मुकदमा कर दिया है। इस बात की प्रबल संभावना व्यक्त की जा रही है कि ओवैसी की इस पोस्ट के बाद सोशल मीडिया के माध्यम से अफवाहों का बाजार गर्म होता गया और अब यह आग देश के अनेकानेक हिस्सों में फैलती जा रही है। तमाम कट्टरपंथी और मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति करने वाले तत्व इस आग में घी डालने का प्रयास कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक वीडियो और कमेंट पोस्ट करके तनाव बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। यह सब कुछ उस समय हो रहा है जब हिन्दू पर्वो की नवरात्र से देवदीपावली तक एक लंबी श्रृंखला चलने वाली है। इन सभी घटनाओं का पैटर्न लगभग एक ही जैसा नजर आ रहा है। बरेली के जखीरा मुहल्ले में "आई लव मोहम्मद" लिखे कई पोस्टर लगे थे। इंस्पेक्टर सुभाष कुमार ने बताया कि भीड़ होने की सूचना पर, वे पहुंचे तो पाया कि वहां इत्तेहाद–ए– मिल्लत काउंसिल के महासचिव डा. नफीस खान भी थे। पुलिस के पहुंचने पर नफीस खान ने वहां पर उपस्थित लोगों को घर जाने के लिए कह दिया किंतु बाद में इंटरनेट मीडिया पर एक वीडियो प्रसारित हुआ उसमें डाघ नफीस कुछ लोगों से कहते सुनाई दे रहे हैं कि मैंने इंस्पेक्टर को "बहुत अपशब्द कहे। मैंने कहा कि, "हाथ काट लूंगा, वर्दी उतरवा दूंगा"। जांच मे पता चला है कि पुलिस के मोहल्ले से लौटने के बाद नफीस ने भीड़ को भड़काने का प्रयास किया। नफीस बरेली में मौलाना तौकीर रजा खां की पार्टी आईएमसी के महासचिव हैं। सबसे अधिक चिंता का विषय यह है कि इन जुलूसों में 10 साल से कम आयु के लड़कों तथा औरतों द्वार उग्र प्रदर्शन कराया जा रहा है। उन्नाव में हिंसक उपद्रव का नेतृत्व महिलाओ व बच्चो ने किया। बुर्कानशीं महिलाओं ने ही पुलिस बल पर पत्थर बरसाये ओर नाबालिगों ने "सर तन से जुदा" के नारे लगाकर माहौल खराब किया। कठिनाई यह है कि हमारे देश के संविधान में नाबालिगों को केवल सुधार गृह भेज दिया जाता है और महिलाओं की प्रायरू जल्दी गिरफ्तारी नही होती। वहीं दूसरी ओर तथाकथित संविधान रक्षक मुस्लिम तुष्टिकरण का खेल प्रारंभ कर देते हे।

मेष :– आज का दिन शुभ और फलदायी होगा। महत्त्वपूर्ण निर्णय न लेने की सलाह है। यात्रा के योग हैं। लेखनकार्य के लिए अच्छा दिन है। महिला के साथ विवाद में न उतरें।

वृषभ :– मन को स्थिर रखने की सलाह गणेशजी देते हैं, क्योंकि अर्निणय की मनोदशा से अवसर गवां सकते हैं। प्रवास का आयोजन टाल दें। नए कार्य प्रारंभ न करें।

मिथुन :– लक्ष्मीजी की कृपा से दिन लाभदायी होगा। उत्तम भोजन, सुंदर वस्त्र व अपनों के साथ से दिन आनंददायी होगा। धन अधिक व्यय न करें।

कर्क :– कोई भी महत्त्वपूर्ण निर्णय न लें। संबंधियों से मनमुटाव हो सकता है। वाणी पर संयम रखें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। मानहानि एवं धनहानि से बचें।

सिंह :– आज का दिन लाभदायी है। मित्रों से लाभ और पर्यटन की संभावना है। हाथ आया अवसर जा सकता है, इसलिए निर्णय टाल दें। व्यापार एवं आर्थिक लाभ के योग हैं।

कन्या :– आज दिन शुभ है। नए कार्य संपन्न होंगे। व्यापारी व नौकरीपेशा लोगों के लिए समय अच्छा है। व्यापार में लाभ व नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। पिता से लाभ होगा।

तुला :– व्यावसाय में लाभ की संभावना है ऐसा गणेशजी कहते हैं। नौकरी व व्यापार में सहकर्मियों से सहयोग नहीं मिलेगा। लंबी यात्रा का आयोजन हो सकता है। अस्वस्थ रहेंगे।

वृश्चिक :– आज शांति व सावधानीपूर्वक रूप से रहने की गणेशजी की सलाह है। नए कार्यों में असफलता के योग हैं। क्रोध पर संयम रखें। सरकार विरोधी प्रवृत्तियों से दूर रहें।

धनु :– आज का दिन आनंदपूर्वक बीतेगा। सहवास का आनंद मिलेगा। प्रवास, पर्यटन होगा। लेखनकार्य के दिन अनुकूल है। साझेदारी से लाभ होगा।

मकर :– व्यापार में विकास के लिए आज का दिन लाभकारी रहेगा। धन के लेनदेन में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। घर में सुख–शांति का वातावरण बना रहेगा।

कुंभ :– आप की वाणी व विचारों में शीघ्र परिवर्तन होगा। बौद्धिक चर्चा में शामिल होंगे। आकस्मिक खर्च की आशंका है। पाचन न होने जैसी बीमारियों से परेशान होंगे।

मीन :– गणेशजी कहते हैं कि आप में उत्साह व स्फूर्ति की कमी होगी। परिजनों के साथ विवाद न करें। अस्वस्थ महसूस करेंगे। नौकरी में चिंता रहेगी। धन व कीर्ति की हानि न हो ध्यान रखें।

राष्ट्रीय नीतियां और जनसंख्या का अतिरेक, विकास की धीमी गति

संजीव ठाकुर

> *यह स्थिति भारत के लिए दोहरी चुनौती है। एक ओर हमारे पास दुनिया की सबसे बड़ी श्रमशक्ति और विशाल उपभोक वर्ग है। दूसरी ओर, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार की कमी हमें इस जनसंख्या लाभांश (डेमोग्राफिक डिविडेंड) को बोझ में बदलने की।*

जनसंख्या किसी भी राष्ट्र का आधार होती है। यह न केवल समाज के ढाँचे को आकार देती है बल्कि आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक विकास को भी दिशा देती है।संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार भारत 2023 में चीन को पीछे छोड़ते हुए दुनिया का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश बन चुका है। यह स्थिति भारत के लिए दोहरी चुनौती है। एक ओर हमारे पास दुनिया की सबसे बड़ी श्रमशक्ति और विशाल उपभोक वर्ग है। दूसरी ओर, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार की कमी हमें इस जनसंख्या लाभांश (डेमोग्राफिक डिविडेंड) को बोझ में बदलने की ओर धकेल सकती है।इतिहास साक्षी है कि जब भी किसी राष्ट्र ने अपनी जनसंख्या सही दिशा दिखाई है तो उसे राष्ट्र ने विकास की धारा को अपना कर एक विकसित राष्ट्र बनाया है । लेकिन जब यही जनसंख्या अनियंत्रित हो गई, तो वह गरीबी, बेरोजगारी और नियत संसाधनों के ह्रास का कारण बन कर देश को अन्य देशों की तुलना में काफी पीछे ढ़केल दिया है। भारत जैसे विशाल और विविधताओं से भरे देश में जनसंख्या का प्रश्न केवल आँकड़ों का ही नहीं बल्कि विकास के पैमाने का भी है। देश की 65 : जनसंख्या युवा जनसंख्या है यह स्थिति भारत को दुनिया की सबसे बड़ी श्रमशक्ति प्रदान करती है। यदि इन्हें सही शिक्षा और प्रशिक्षण मिले तो यह जनसंख्या भारत को आर्थिक महाशक्ति बनाने में सहायक हो सकती है। अधिक जनसंख्या का मतलब बडी उपभोक्ता शक्ति और संभावनाएं। यही कारण है कि वैश्विक उपभोक्ता कंपनियाँ भारत को अपनी सामग्री बेचने का सबसे बड़ा बाजार मानती हैं। विशाल जनसंख्या के कारण यहाँ वस्तुओं और सेवाओं की मांग लगातार बढ़ रही है, जिससे उद्योग–धंधों को लगातार निरंतर प्रोत्साहन मिलता है। अधिक लोग, अधिक विचारधारा, बड़ी आबादी के बीच से नई सोच, तकनीकी आविष्कार और सृजनशीलता के अवसर बढ़ते हैं। भारतीय युवाओं की प्रतिभा ने आईटी, स्टार्टअप और वैज्ञानिक अनुसंधान में विश्व पटल पर भारत की साख मजबूत की है। विविध जनसंख्या भारत की सांस्कृतिक शक्ति है। अलग–अलग भाषाएँ, परंपराएँ और जीवनशैली समाज को गतिशील और समृद्ध बनाती हैं। यही विविधता भारत को विश्व मंच पर "बहुलता में एकता" का संदेश देने योग्य बनाती है। भारत की सबसे बड़ी और गंभीर समस्या यह है कि हर साल।लाखों युवा श्रम बाजार में प्रवेश करते हैं, परंतु उनके लिए पर्याप्त रोजगार के संसाधन उपलब्ध नहीं होते हैं परिणामस्वरूप बड़ी आबादी बेरोजगार रह जाती है या असंगठित क्षेत्र में कम आय पर काम करती है। बेरोजगारी तथा अत्यधिक जनसंख्या का सीधा असर परिवार की आय पर पड़ता है। बड़ी संख्या में लोग गरीबी रेखा से नीचे जीवन बिताने को विवश हैं। यही गरीबी अशिक्षा और कुपोषण को जन्म देती है, जिससे विकास का चक्र धीमा पड़ जाता है। भूमि, जल, ऊर्जा और खनिज जैसे प्राकृतिक संसाधन सीमित हैं। लेकिन बढ़ती जनसंख्या इनके अति–दोहन का कारण बनती है। जल संकट, भूमि क्षरण और ऊर्जा की कमी जैसी समस्याएँ तेजी से सामने आ रही हैं बढ़ती जनसंख्या का बड़ा हिस्सा रोजगार की तलाश में शहरों की ओर पलायन करता है। इससे महानगरों में झुग्गी–झोपड़ियाँ बढ़ती हैं, यातायात और प्रदूषण की समस्या गहराती है तथा जीवन स्तर गिरता है। जनसंख्या वृद्धि का सबसे बड़ा दुष्परिणाम पर्यावरण पर पड़ता है। प्रदूषण, वनों की कटाई, कचरे का बढ़ता ढेर और ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन ये सभी अनियंत्रित आबादी के प्रत्यक्ष नतीजे हैं। जब जनसंख्या का बड़ा हिस्सा बुनियादी आवश्यकताओं से वंचित रह जाता है तो समाज में असंतोष, तनाव और अपराध बढ़ने लगते हैं। यही स्थिति सामाजिक असमानता और असुरक्षा को जन्म देती है।चीन ने जनसंख्या नियंत्रण में "वन चाइल्ड पॉलिसी" जैसी कठोर नीतियों का सहारा लिया, जबकि भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्था के चलते जागरूकता और परिवार नियोजन पर जोर दिया गया है। हालांकि, ग्रामीण क्षेत्रों और अशिक्षित वर्गों में अभी भी जागरूकता का स्तर कम सरकारी कार्यक्रमों और जनसंचार माध्यमों के जरिए छोटे परिवार के लाभ समझाना आवश्यक है। गर्भनिरोधक साधनों की उपलब्धता और प्रचार–प्रसार बढ़ाना होगा। शिक्षा ही सबसे बड़ा हथियार है। खासकर महिला शिक्षा जनसंख्या नियंत्रण में निर्णायक भूमिका निभा सकती है। शिक्षित महिला न केवल स्वयं जागरूक होती है बल्कि पूरे परिवार को बेहतर दिशा देती है। युवा शक्ति को सही दिशा तभी मिल सकती है जब उन्हें काम मिले। सरकार को कौशल विकास योजनाओं और उद्यमिता को बढ़ावा देना होगा। स्टार्टअप और लघु उद्योग इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। शहरों पर बोझ कम करने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और आधारभूत सुविधाओं का विकास आवश्यक है।

सुरवीन चावला

हर आदमी और औरत को एक–दूसरे की जरूरत होती है, हमारे साथ भी वही है

> मेरे नियंत्रण में जो चीजें हैं, उन पर ध्यान देती हूं। किसी भी काम के लिए हां, बोलना बेशक आसान होता है लेकिन मैंने इनकार करना भी सीख लिया है। मेरे हिसाब से ना बोलना बहुत ज्यादा मुश्किल होता है। वो ना आपने जो भी अब तक काम किया हुआ है, उसकी क्लास को दर्शाता है। श्हर आदमी–औरत को एक–दूसरे की जरूरत हैश् सुरवीन लगातार काम कर रही हैं। ऐसे में वह अपनी पर्सनल और प्रोफ्रेशनल लाइफ के बीच किस तरह तालमेल बैठा पा रही हैं? इस पर अदाकारा कहती हैं कि लगातार काम करके मुझे बहुत मजा आ रहा है।

श्हेट स्टोरी–2श, श्अग्लीश जैसी फिल्मों में नजर आ चुकीं सुरवीन चावला ने श्सेक्रेड गेम्सश, श्क्रिमनल जस्टिसश जैसी वेब सीरीज से उन्होंने ओटीटी पर अपना जलवा बिखेरा।वेब सीरीज श्मंडला मर्डर्सश को लेकर चर्चा में रहीं सुरवीन ने अपनी फैमिली और पर्सनल लाइफ को लेकर बातें की हैं। ऐक्ट्रेस सुरवीन चावला ने टीवी शो श्कहीं तो होगाश से करियर शुरू किया था। इसके बाद श्हेट स्टोरी–2श, श्अग्लीश जैसी फिल्मों से उन्होंने बड़े पर्दे पर अपनी काबिलियत साबित की। वहीं, श्सेक्रेड गेम्सश, श्क्रिमनल जस्टिसश जैसी वेब सीरीज से उन्होंने ओटीटी पर अपना जलवा बिखेरा। इन दिनों वह अपनी एक और वेब सीरीज श्मंडला मर्डर्सश को लेकर चर्चा में हैं। बीते दिनों वह लखनऊ आईं तो हमसे खास बातचीत में उन्होंने कई पहलुओं पर चर्चा की। पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ के बीच परस्पर तालमेल बिठाकर चलने वाली अदाकारा ने इस मुलाकात में हमसे एक अच्छी मां की परिभाषा भी साझा की है। श्मैंने इनकार करना भी सीखा हैश् कहते हैं ना कि डंद चतवचवेमे, ळवक कपेचवेमे (इंसान कितनी भी कोशिश करे पर वही होता है, जो मंजूर–ए–खुदा होता है)। हमारे प्लान से कोई फर्क नहीं पड़ता। आप लक्ष्य अपने दिमाग में रख सकते हैं लेकिन वहां पहुंचने के कई रास्ते हो सकते हैं। ये जरूरी नहीं कि सिर्फ एक ही तरह से मंजिल पर पहुंचा जाए। आप जो चीजें चुनते हो वो यह तय करती हैं कि आगे का रास्ता कैसा हो सकता है। मेरे नियंत्रण में जो चीजें हैं, उन पर ध्यान देती हूं। किसी भी काम के लिए हां, बोलना बेशक आसान होता है लेकिन मैंने इनकार करना भी सीख लिया है। मेरे हिसाब से ना बोलना बहुत ज्यादा मुश्किल होता है। वो ना आपने जो भी अब तक काम किया हुआ है, उसकी क्लास को दर्शाता है। श्हर आदमी–औरत को एक–दूसरे की जरूरत हैश् सुरवीन लगातार काम कर रही हैं। ऐसे में वह अपनी पर्सनल और प्रोफ्रेशनल लाइफ के बीच किस तरह तालमेल बैठा पा रही हैं? इस पर अदाकारा कहती हैं कि लगातार काम करके मुझे बहुत मजा आ रहा है। मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं कि अपने परिवार की वजह से बाहर आकर काम कर पाती हूं। कहते हैं ना कि हर आदमी–औरत को एक–दूसरे की जरूरत होती है। हमारे साथ भी वही है। हम दोनों एक–दूसरे के सपोर्ट से आराम से काम कर पा रहे हैं। 42 साल की कटरीना कैफ की प्रेग्नेंसी पर लगी मुहर! श्द बैड्स ऑफ बॉलीवुडश के प्रीमियर पर अकेले पहुंचे विक्की कौशल पाकिस्तान ने भारत को नहीं घेरा, सऊदी ने खेल किया... एक्सपर्ट ने समझाया शहबाज–डठै की डील में पर्दे के पीछे का खेल श्कोई मुझे नोचता रहे...श सपना चौधरी ने पहली बार बताया अपनी जिंदगी का कड़वा सच, बोलीं– मेरे अंदर एक और लड़की है अनन्या पांडे को देख यूजर्स का खटका दिमाग, श्द बैड्स ऑफ बॉलीवुडश के प्रीमियर के वीडियो पर लोग बोले– ये क्या हो गया? श्आप जो करेंगे, बच्चा भी वही करेगाश हर मां अपने आप में अच्छी है लेकिन मैं मदरहुड से ज्यादा पैरंटहुड की बात करूंगी क्योंकि मुझे लगता है कि अपने बच्चे को हम सीख समझा–बुझा कर नहीं दे सकते। इसके लिए आपको उदाहरण सेट करना पड़ता है। आप जैसा लोगों के साथ बर्ताव करेंगे, बच्चा भी वही करेगा। आपकी आदतों को भी वो वैसे ही फॉलो करेगा। अगर मैं खुद को ही हमेशा पीछे रखूंगी तो वो भी तो मेरा बच्चा देखेगा ना। इसका भी असर उस पर पड़ेगा। श्पत्नी और मां से पहले एक इंसान हूंश अगर अपनी जरूरतों को पूरा नहीं करूंगी तो नाखुश रहूंगी। मैं यही मानती हूं कि जो इंसान खुद खुश है, वो ही दूसरों को भी खुशी दे सकता है। एक पत्नी, एक मां से पहले मैं भी एक इंसान हूं तो यह जरूरी नहीं कि मैं इन सब बातों को ध्यान में रखकर ही हमेशा कुछ सोचूं। बतौर सुरवीन भी तो मैं बहुत कुछ सोच सकती हूं ना। हर बार अलग करने की कोशिश रहती पर्दे पर इस रूप, रंग और अंदाज में मुझे पहले कभी नहीं देखा गया है। मेरी कोशिश यही रहती है कि हर बार कुछ अलग लेकर आऊं। गोपी पुथरण सर (लेखक निर्देशक) की फिल्म मर्दानी बहुत पसंद थी। वह अपने प्रोजेक्ट में औरतों को सशक्त रूप में पेश करते हैं। उनकी कहानियों में महिलाओं को पावरफुल रोल्स ही मिलते हैं। यह पहला मौका है, जब मैं किसी पॉलिटिशियन का किरदार निभा रही हूं। अनन्या भारद्वाज बहुत ही महत्वाकांक्षी महिला है, जो कि बहुत कुछ करना चाहती है। उस किरदार को मैं ब्लैक एंड वाइट तो नहीं बोल सकती लेकिन वह पूरी तरह से ग्रे भी नहीं है। उसमें विविध रंग देखने को मिलेंगे।

पिछले दिनों भोजपुरी सिंगर पवन सिंह अपने एक वीडियो को लेकर खूब चर्चा में आए थे, जिसमें वह स्टेज पर ही सिंगर अंजली राघव को बैड टच करते नजर आए थे। इस वीडियो पर खूब बवाल हुआ था। सिंगर अंजली ने कभी भी भोजपुरी मे काम न करने का फैसला किय था, जबकि पवन सिंह ने सफाई देते हुए माफी मांगी थी। पवन और अंजली के विवाद पर फेमस हरियाणवी सिंगर सपना चौधरी ने बड़ा बयान दिया है। दरअसल, हाल ही में एक इंटरव्यू में सपना चौधरी से पूछा गया कि पवन सिंह के साथ जो घटना हुई और हरियाणी की अंजली करके जो एक्ट्रेस थीं, उसके बारे क्या कहना है। इस पर जवाब देते हुए सपना चौधरी ने कहा, अंजली करके नहीं बल्कि अंजली राघव एक्ट्रेस हैं। देखिए वो सिचुएशन थी उसके ऊपर मैं नहीं कह सकती लेकिन जिस तरीके से मैने देखा, मुझे लगता है कि अंजली को तुरंत मना करना चाहिए था स्टेज पर ही। हां कभी कभी मुश्किल होता है कहना क्योंकि वो बोल्डनेस आना एक आर्टिस्ट के लिए शायद मुश्किल हो जाता है। लेकिन आपको तुरंत कह देना चाहिए नो, मुझे अच्छा नहीं लग रहा है आप प्लीज ऐसे मत कीजिए। सपना चौधरी का ये वीडियो अब तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। बता दें, सपना चौधरी को हरियाणवी क्वीन के नाम से भी जाना जाता है। वो अपने गानों और डांस को लेकर फैंस के भी खूब चर्चा में रहती है। सपना सलमान खान के शो बिग बॉस में भी नजर आ चुकी हैं।

तुम्हारी गलती सुधारना मेरी जिम्मेदारी...परिणीति ने पति को दी दूसरी वेडिंग एनिवर्सरी की बधाई

बॉलीवुड एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा इस समय अपनी मदरहुड लाइफ को एंजॉय कर रही हैं। इसी बीच परिणीति ने आज यानि 24 सितंबर को राघव चड्ढा संग अपनी दूसरी वेडिंग एनिवर्सरी सेलिब्रेट की। इस मौके पर कपल ने पेरिस ट्रिप की एक मजेदार तस्वीर शेयर की है यह तस्वीर परिणीति और राघव के प्रेग्नेंसी अनाउंस करने से कुछ महीने पहले की है। तस्वीर के साथ दोनों ने एक दूसरे को खास अंदाज में शादी की सालगिरह की मुबारकबाद दी। तस्वीर में, राघव चड्ढा आई लव पेरिस टी–शर्ट पहने नजर आ रहे हैं। अपनी खास स्टाइल में एक्ट्रेस अपने हाथ से एस को कवर कर दिया जिससे ऐसा लग रहा है जैसे उनके पति के कपड़ों पर आई लव परी लिखा हो। दोनों फोटो में ब्लैक में ट्विनिंग करते हुए नजर आ रहे हैं। इस प्यारी सी तस्वीर को शेयर करते हुए परीणीति ने कैप्शन में लिखा–एक पत्नी होने के नाते यह मेरी जिम्मेदारी थी कि मैं इस मिस्टेक को फिक्स करूं। हैप्पी एनिवर्सरी मेरी रागी! द लव ऑफ माई लाइफ, मेरे पगलू दोस्त, माई काम एंड कंपोज्ड हसबैंड, मैं अपनी बाकी जिंदगी तुम्हारे साथ बिताने के लिए बेताब हूं। दूसरी तरफ राघव चड्ढा ने भी अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर यही तस्वीरें शेयर कीं।उन्होंने तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा–ब्रेकिंग पत्नी अपने पति को अपने से ज्यादा किसी और चीज से प्यार करने नहीं देती, यहां तक कि शहरों से भी नहीं उस लड़की को शादी की सालगिरह मुबारक जो हर जगह को घर जैसा एहसास देती है।

शाहरुख खान का बेटा आर्यन खान बॉलीवुड में एंट्री कर चुका है. आर्यन ने बतौर एक्टर नहीं डायरेक्टर एंट्री की है. उनकी सीरीत श्द बैड्स ऑफ बॉलीवुडश आज रिलीज हो रही है और 17 सितंबर को इस सीरीज का प्रीमियर रखा गया था जिसमें पूरा बॉलीवुड शामिल हुआ था. ये दिन खान परिवार केलिए बहुत खास था. इस इवेंट में सेलेब्स एक से बढ़कर एक लुक में पहुंचे थे. प्रीमियर में दो लोगों ने अपना ध्यान सबकी तरफ खींचा और वो थीं सुहाना खान और अनन्या पांडे. दोनों ही एक्ट्रेसेस बला की खूबसूरत लग रही थीं. सुहाना खान और अनन्या पांडे दोनों ने ही पैपराजी के लिए जमकर पोज दिए. दोनों की फोटोज और वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं. उनके लुक से लोगों की नजरें नहीं हट रही हैं. इतने की है सुहाना की ड्रेस आर्यन खान की बहन सुहाना खान ने महफिल लूट ली. उन्होंने मसटर्ड येलो कलर की गाउन पहनी थी. जिसमें उनका बोल्ड और ग्लैमरस लुक देखने को मिल रहा था. उनके गाउन फ्लोर लेंथ था और थाई हाई स्लिट था. जिसमें उन्होंने इंटरनेट का पारा बढ़ा दिया है. पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक सुहाना खान की ड्रेस की कीमत करी 2.95 लाख है. अनन्या का गाउन है क्लासी अनन्या पांडे का लुक देखने वाला था. उन्होंने लेस ट्रिम मैक्सी ड्रेस पहनी थीं. इस फ्लोर लेंथ गाउन में अनन्या बहुत क्लासी लग रही थीं. उनके गाउन का कलर सिल्वर टोन में था. पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक उनकी ड्रेस की कीमत करीब 78,000 हजार है. बता दें श्द बैड्स ऑफ बॉलीवुडश को आर्यन खान ने डायेरक्ट किया है।

काजोल और अजय देवगन की बेटी न्यासा सोशल मीडिया पर काफी पॉपुलर हैं। उनकी तस्वीरें और वीडियो अक्सर वायरल हो जाते हैं। न्यासा अपनी जिंदगी काफी प्राइवेट रखती हैं, लेकिन पैपराजी और उनके फैन अकाउंट्स पर वह नजर आ जाती हैं। न्यासा के बॉलीवुड में आने की अफवाहें अक्सर चलती रहती हैं। हाल ही में शुभंकर मिश्रा को दिए इंटरव्यू में काजोल से सवाल पूछा गया कि क्या उनकी बेटी को लॉन्च करने के लिए दोस्तों या करण जौहर का कभी फोन आया है? जिस पर काजोल ने कहा, "1–2 फोन आए हैं।" यानी कुछ लोग न्यासा को फिल्मों के लिए अप्रोच कर चुके हैं। अजय देवगन और काजोल के दो बच्चे बेटी न्यासा देवगन और बेटा युग देवगन हैं। अजय देवगन और काजोल के दो बच्चे बेटी न्यासा देवगन और बेटा युग देवगन हैं। हालांकि, काजोल आगे यह भी कहा, श्अभी मुझे लगता है कि मेरी बेटी बिल्कुल फिल्मों में नहीं आ रही है।

धतूरा एक ऐसा पौधा है, जिसे न केवल धार्मिक दृष्टि से बल्कि औषधीय दृष्टि से भी खास महत्व प्राप्त है। इसे भगवान शिव का प्रिय पुष्प माना जाता है और प्राचीन काल से आयुर्वेद में इसके औषधीय गुणों का जिक्र मिलता रहा है। लेकिन ध्यान रहे, धतूरा विषैला पौधा है। इसका इस्तेमाल बिना विशेषज्ञ की सलाह के करना खतरनाक हो सकता है। फिर भी, पारंपरिक और लोक चिकित्सा में इसे कई रोगों के इलाज में प्रयोग किया जाता रहा है।

धतूरे की प्रजातियां और विशेषताएं

धतूरा मुख्य रूप से एक खरपतवार के रूप में जाना जाता है और इसके 9 से अधिक प्रजातियां पाई जाती हैं। इसके फूल सफेद, बैंगनी और नीले रंग के होते हैं, जो दिखने में बेहद सुंदर लगते हैं। हालांकि, कुछ प्रजातियां अत्यधिक जहरीली होती हैं, इसलिए धतूरे का सेवन या औषधीय प्रयोग सिर्फ विशेषज्ञ की सलाह के बाद ही करना सुरक्षित रहता है।

धार्मिक महत्व

धतूरा हिंदू धर्म में एक विशेष धार्मिक महत्व रखता है। शिवभक्त मानते हैं कि भोलेनाथ को धतूरा अर्पित करने से भगवान प्रसन्न होते हैं। इसके अलावा, पूजा में धतूरे का इस्तेमाल नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने और मन में शांति लाने के लिए भी किया जाता है।

धतूरे के स्वास्थ्य लाभ

हृदय रोग में सहायकः धतूरा को हृदय स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद माना जाता है। माना जाता है कि इसका उपयोग हृदय से जुड़ी समस्याओं, जैसे दिल का दौरा पड़ने के जोखिम को कम करने में मदद कर सकता है।

बदन दर्द और गठिया में राहतः धतूरे की पत्तियों से बना लेप जोड़ों पर लगाने से दर्द और सूजन में आराम मिलता है। पारंपरिक रूप से यह गठिया और बदन दर्द में राहत देने के लिए इस्तेमाल किया जाता रहा है।

सांस की तकलीफ में लाभः धतूरे की पत्तियों को सुखाकर उसका धुआं लेने से दमा और सांस फूलने जैसी समस्याओं में राहत मिलती है। यह पारंपरिक रूप से सांस संबंधी तकलीफों में इस्तेमाल किया जाता रहा है।

बुखार में मददगारः धतूरे के फल का आयुर्वेद में उपयोग बुखार के लक्षण कम करने और शरीर का तापमान संतुलित रखने के लिए किया जाता है। यह पारंपरिक रूप से शरीर की गर्मी को नियंत्रित करने में मददगार माना जाता है।

तनाव और मानसिक शांतिः धतूरे के फल का आयुर्वेद में उपयोग बुखार के लक्षण कम करने और शरीर का तापमान नियंत्रित करने के लिए किया जाता है। इसे पारंपरिक रूप से शरीर की तापमान संतुलन बनाए रखने में मददगार माना जाता है।

धतूरे का पारंपरिक उपयोग

पारंपरिक रूप से धतूरे का उपयोग नशीली दवाओं में भी किया जाता रहा है। कुछ स्थानों पर इसे कैनाबिस के साथ धूम्रपान या शराब में मिलाकर इस्तेमाल किया जाता है। हालांकि, इसका नशे के रूप में उपयोग स्वास्थ्य के लिए खतरनाक और जानलेवा साबित हो सकता है। धतूरा अत्यंत जहरीला पौधा है, इसलिए इसका सेवन बिना विशेषज्ञ की सलाह के बिल्कुल न करें। बच्चों और बुजुर्गों को इसके संपर्क में आने से बचाना चाहिए। इसे केवल पारंपरिक और सुरक्षित तरीकों से ही इस्तेमाल करना चाहिए।

बहुत बार ऐसा होता है कि हम ट्रैवल प्लान तो बना लेते हैं, लेकिन पेट की समस्या या आईबीएस (इरिटेबल बाउल सिंड्रोम) जैसी परेशानियों की वजह से प्लान को टालना पड़ता है। खासकर लंबे सफर, अनजान जगह का खाना और टॉयलेट की कमी जैसी चीजें इस परेशानी को और बढ़ा देती हैं। लेकिन अगर थोड़ी सी तैयारी कर ली जाए तो इन दिक्कतों से आसानी से बचा जा सकता है। आइए जानते हैं कि कैसे पेट की समस्या से जूझने वाले लोग भी बिना किसी चिंता के यात्रा का आनंद ले सकते हैं।

पहले से पूरी प्लानिंग करें

यात्रा पर निकलने से पहले अपने गंतव्य की पूरी जानकारी जुटाना बहुत जरूरी है। यह जान लें कि वहां आसपास टॉयलेट की सुविधा कितनी उपलब्ध है, पास में सुपरमार्केट या मेडिकल स्टोर है या नहीं, और ऐसे रेस्टोरेंट्स कहां हैं जहां आईबीएस–फ्रेंडली या हेल्दी खाना मिल सके। साथ ही, अपनी जरूरी दवाइयां और एक छोटा हेल्थ किट भी अपने साथ जरूर रखें ताकि किसी भी आपात स्थिति में काम आ सके।

ऐसी जगह रुकें जहां किचन की सुविधा हो

अगर संभव हो तो ऐसी होटल या गेस्ट हाउस चुनें जहां किचन या सेल्फ–कैटरिंग की सुविधा उपलब्ध हो। इससे आप अपनी डाइट पर आसानी से नियंत्रण रख पाएंगे और खुद का खाना बना कर सुरक्षित और सेहतमंद भोजन कर सकेंगे।

डेस्टिनेशन का चुनाव सोच–समझकर करें

अगर लंबी फ्लाइट या घंटों की बस यात्रा से आपकी तबीयत प्रभावित हो सकती है, तो बेहतर होगा कि नजदीकी जगहों को प्राथमिकता दें। यात्रा का मौसम, सुविधाएं और सफर की दूरी जैसे सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर ही अपना डेस्टिनेशन चुनें, ताकि आपकी यात्रा आरामदायक और सुरक्षित रहे।

नींद और एक्सरसाइज को नजरअंदाज न करें

यात्रा के दौरान भी अच्छी नींद लेना और थोड़ी–बहुत फिजिकल एक्टिविटी करना बहुत जरूरी है। समय पर सोना और उठना आपकी बॉडी क्लॉक को संतुलित रखता है, वहीं हल्की वॉक या स्ट्रेचिंग पाचन प्रणाली को बेहतर बनाने में मदद करती है। इससे पेट की समस्याएं कम रहती हैं और आप तरोताजा महसूस करते हैं।

विदेश यात्रा पर लोकल भाषा के कुछ जरूरी वाक्य सीखें

अगर आप विदेश जा रहे हैं तो वहां की भाषा में कुछ महत्वपूर्ण वाक्य सीखना फायदेमंद होगा, जैसे "क्या इसमें दूध या डेयरी है? या मैं ग्लूटेन नहीं खा सकता। इससे आप गलत खाना खाने से बच सकेंगे और अपनी सेहत का ध्यान रख पाएंगे।

ट्रैवल किट हमेशा साथ रखें

ट्रैवल के दौरान एक इमरजेंसी किट साथ रखना बहुत जरूरी है। इसमें आपकी पेट या पेट से जुड़ी नियमित दवाइयां, ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्ट, एक्स्ट्रा कपड़े और नजदीकी अस्पताल या फार्मेसी की जानकारी जरूर शामिल होनी चाहिए। इससे किसी भी आपात स्थिति में आप तैयार रहेंगे और परेशानियों से बच सकेंगे। थोड़ी सी तैयारी, समझदारी और प्लानिंग के साथ पेट की समस्याओं के बावजूद भी यात्रा का पूरा आनंद लिया जा सकता है। अगर आप उपरोक्त टिप्स को अपनाते हैं, तो अगली बार ट्रैवल प्लान को टालने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

दालचीनी हमारे रसोई का एक खास मसाला है, जो स्वाद और खुशबू के लिए तो जाना जाता ही है, लेकिन इसके औषधीय गुण भी बहुत प्रभावशाली हैं। आयुर्वेद में दालचीनी का पानी कई बीमारियों में लाभकारी माना गया है। इसे सुबह खाली पेट पीना सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है, लेकिन इसे सही मात्रा में और सही तरीके से लेना जरूरी है। जानें दालचीनी का पानी पीने के फायदे।

ब्लड शुगर नियंत्रित करता है

दालचीनी का पानी ब्लड शुगर लेवल को संतुलित रखने में मदद करता है। इसलिए यह डायबिटीज से पीड़ित लोगों के लिए बहुत लाभकारी होता है, क्योंकि यह उनके शरीर में शुगर की मात्रा को नियंत्रण में बनाए रखता है।

पाचन शक्ति सुधारता है

दालचीनी का पानी कब्ज, गैस और अन्य पाचन से जुड़ी समस्याओं को दूर करने में मदद करता है। यह पाचन तंत्र को

मजबूत बनाकर खाने को आसानी से पचाने में सहायता करता है।

कोलेस्ट्रॉल नियंत्रित करता है

दालचीनी का पानी नियमित रूप से पीने से हृदय रोगियों को फायदा होता है। यह शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल की मात्रा कम करता है और रक्त संचार को बेहतर बनाकर दिल को स्वस्थ रखता है।

वजन घटाने में मददगार

सुबह खाली पेट गुनगुने पानी में दालचीनी मिलाकर पीने से मेटाबॉलिज्म यानी शरीर की चयापचय प्रक्रिया तेज होती है। इससे शरीर की अतिरिक्त चर्बी धीरे–धीरे कम होने लगती है और वजन घटाने में मदद मिलती है।

इम्यूनिटी बढ़ाता है

दालचीनी में एंटीऑक्सीडेंट और एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं, जो शरीर से हानिकारक तत्वों को निकालने में मदद करते हैं। इससे आपकी रोगों से लड़ने की क्षमता यानी इम्यूनिटी मजबूत होती है।

मौसमी बीमारियों से बचाव

दालचीनी का पानी सर्दी, जुकाम और गले की खराश जैसी मौसमी बीमारियों से राहत दिलाने में मदद करता है। यह शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाकर बीमारियों से बचाव करता है।

दालचीनी के पानी के नुकसान

दालचीनी के कई फायदे हैं, लेकिन इसे अधिक मात्रा में या गलत तरीके से पीना नुकसानदेह हो सकता है। इसमें एक तत्व होता है जिसे क्यूमरिन कहते हैं, जो ज्यादा सेवन पर लीवर को नुकसान पहुंचा सकता है। यदि दालचीनी का पानी बहुत गाढ़ा बनाया जाए, तो इससे पेट में जलन या अल्सर की समस्या भी हो सकती है। कुछ लोगों को दालचीनी से एलर्जी हो सकती है, जिसके कारण उनकी त्वचा में खुजली या जलन हो जाती है।

किन लोगों को सावधानी से लेना चाहिए?

गर्भवती महिलाओं को डॉक्टर की सलाह के बिना दालचीनी का सेवन नहीं करना चाहिए क्योंकि यह गर्भ पर नकारात्मक असर डाल सकता है। लो ब्लड शुगर वाले लोगों को भी इसे सावधानी से ही लेना चाहिए, नहीं तो चक्कर आना या कमजोरी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। साथ ही, जिन लोगों को दालचीनी से एलर्जी होती है, उन्हें इसका सेवन पूरी तरह से अवपकमक करना चाहिए।

दालचीनी का पानी कैसे बनाएं?

एक गिलास गुनगुना पानी लें और उसमें आधा से एक छोटा चम्मच दालचीनी पाउडर या एक छोटी दालचीनी की डंडी डालें। इसे 5–10 मिनट तक ढक कर रख दें ताकि दालचीनी का असर पानी में अच्छे से आ जाए। फिर इसे छानकर सुबह खाली पेट पी लें।

दालचीनी का पानी स्वस्थ शरीर के लिए कई तरह से फायदेमंद है, खासकर ब्लड शुगर नियंत्रित करने, वजन कम करने और पाचन सुधारने में। लेकिन इसे संतुलित मात्रा में ही लेना चाहिए और कुछ खास हालात में डॉक्टर की सलाह जरूरी है। इस तरह आप दालचीनी के पानी का सही उपयोग करके अपनी सेहत को बेहतर बना सकते हैं।

हिन्दी साप्ताहिक

आगाज़ टाइम्स

7

लखनऊ रविवार, 28 सितम्बर 2025

संक्षिप्त

हम भारत से प्यार करते हैं, उसके साथ और ऊर्जा व्यापार करना चाहते हैं: अमेरिकी मंत्री

अमेरिका के ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट ने बुधवार को कहा कि उनका देश अपने 'शानदार सहयोगी' भारत के साथ ऊर्जा सहयोग का विस्तार करना चाहता है, जिसमें प्राकृतिक गैस, कोयला, परमाणु ऊर्जा और खाना पकाने के स्वच्छ ईंधन शामिल हैं। राइट ने 'पीटीआई' के एक सवाल के जवाब में कहा, ''जब मैं इस पद पर आया, तब से मेरा अधिकांश समय भारत के साथ काम करने में बीता है, जो दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र, अमेरिका का एक शानदार सहयोगी, एक तेजी से

बढ़ती अर्थव्यवस्था और एक गतिशील समाज है, जिसकी ऊर्जा की मांग तेजी से बढ़ रही है क्योंकि लोग अपनी समृद्धि और अवसरों को बढ़ा रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''मैं भारत का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। हम भारत से प्यार करते हैं। हम भारत के साथ और अधिक ऊर्जा व्यापार और अधिक बातचीत की आशा करते हैं।'' राइट ने न्यूयॉर्क फॉरेन प्रेस सेंटर में आयोजित एक प्रेस वार्ता को संबोधित किया। वह वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल की इस टिप्पणी पर 'पीटीआई' के सवाल का जवाब दे रहे थे कि भारत आने वाले वर्षों में वाशिंगटन के साथ ऊर्जा उत्पादों पर अपने व्यापार को बढ़ाने की उम्मीद करता है और भारत के ऊर्जा सुरक्षा लक्ष्यों में अमेरिका की भागीदारी का एक बड़ा तत्व होगा। राइट से पूछा गया था कि रूसी तेल की भारतीय खरीद पर अमेरिका द्वारा लगाए गए अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ की पृष्ठभूमि में, वह ऊर्जा के क्षेत्र में भारत और अमेरिका के बीच सहयोग को किस प्रकार देखते हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का सबसे बड़ा जुनून विश्व शांति है।

चीन ने कार्बन उत्सर्जन में कटौती के लिए नए जलवायु लक्ष्य की घोषणा की

निया में सबसे ज्यादा कार्बन उत्सर्जन करने वाले देश चीन ने जलवायु परिवर्तन से मुकाबले के लिए 2035 तक उत्सर्जन में सात प्रतिशत से 10 प्रतिशत की कटौती करने के एक नए लक्ष्य की घोषणा की है। यह घोषणा ऐसे समय में की गई है, जब बुधवार को दुनिया के 100 से अधिक नेता कार्बन उत्सर्जन को रोकने के लिए मजबूत प्रयासों पर जोर देने के लिए जमा हुए। ब्राजील में आगामी दिनों में प्रमुख अंतरराष्ट्रीय जलवायु बैठकों से पहले संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने जलवायु मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए महासभा के दौरान नेताओं के साथ विशेष बैठक की।

खैबर पख्तूनख्वा में टीटीपी के 13 आतंकवादी मारे गए

पाकिस्तान की सेना ने बुधवार को खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के डेरा इस्माइल खान जिले के दराबन क्षेत्र में गोपनीय सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई में प्रतिबंधित आतंकी संगठन तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के 13 आतंकियों को मार गिराया। सेना की मीडिया शाखा के अनुसार, यह अभियान दक्षिण वजीरिस्तान से सटे क्षेत्र में 'फितना अल–खवारिज' नाम

से पहचाने जाने वाले आतंकियों की मौजूदगी की सूचना पर किया गया। यह नाम टीटीपी के लिए इस्तेमाल किया जाता है। मारे गए आतंकी कई आतंकवादी घटनाओं में शामिल थे, जिनमें दिसंबर 2023 में दराबन में हुआ आत्मघाती हमला, सरकारी अधिकारियों और आम नागरिकों का अपहरण और हत्या शामिल है। अभियान के दौरान आतंकियों से हथियार और गोला–बारूद भी बरामद हुआ। सेना ने बताया कि इलाके में अब भी सघन तलाशी अभियान (सैनिटाइजेशन ऑपरेशन) जारी है ताकि अन्य छिपे हुए आतंकियों को भी ढूंढा जा सके।

भारतीय उच्चायुक्त संतोष झा ने श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति राजपक्षे से मुलाकात की

भारतीय उच्चायुक्त संतोष झा ने बुधवार को श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे से उनके निजी आवास पर मुलाकात की और द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न पहलुओं के साथ–साथ द्वीपीय राष्ट्र के राजनीतिक घटनाक्रम पर चर्चा की। राजपक्षे ने इस महीने की शुरुआत में पूर्व राष्ट्रपतियों को आजीवन

आवास और भत्ते के प्रावधान वाले कानून के निरस्त होने के बाद सरकारी बंगला खाली कर दिया और तांगाले स्थित अपने निजी आवास में रहने चले गए। कोलंबो स्थित भारतीय उच्चायोग के आधिकारिक हैंडल से 'एक्स' पर पोस्ट किया गया।

एशिया पर कहर बनकर टूटा रागासा, ताइवान से चीन तक बर्बादी का भयावह मंजर, 30 से ज्यादा मौतें, 20 लाख का रेस्क्यू

एशियाई इतिहास के सबसे शक्तिशाली तूफानों में से एक और श्तूफ़ानों का राजाश कहे जाने वाले, टाइफून रागासा ने फिलीपींस, ताइवान, हांगकांग और दक्षिणी चीन में एक जानलेवा रास्ता बनाया और अपने पीछे बाढ़, तबाही और बड़े पैमाने पर लोगों को निकाला। इस बेरहम तूफान ने ऊंची लहरें, तेज़ हवाएँ और मूसलाधार बारिश पैदा की, और फिर चीनी मुख्य भूमि पर कमज़ोर पड़ गया। सुपर टाइफून रागासा ने हांगकांग में तेज़ हवाओं और तेज़ बारिश के साथ तबाही मचाई और बुधवार को दक्षिणी चीन की ओर बढ़ गया। इसने दक्षिणी चीन में 20 लाख लोगों को घर खाली करने पर मजबूर कर दिया है और भारी तूफ़ानी लहरें ला दी हैं, जिससे तटीय इलाकों में पानी हांगकांग के मानक स्तर से 3 मीटर से भी ज़्यादा ऊपर उठ गया है। यह घटना रागासा के कारण ताइवान में कम से कम 14 और उत्तरी फ़िलीपींस में कम से कम दो लोगों की मौत के बाद हुई है।

ताइवान में तूफान रागासा से 17 लोगों की मौत

ताइवान में तूफान रागासा और भारी बारिश के कारण एक झील के उफनाने के बाद 17 लोगों की मौत हो गई और 32 घायल हो गए, जबकि चीन के वैश्विक विनिर्माण केंद्र गुआंगदोंग प्रांत में 20 लाख से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। आधिकारिक मीडिया के अनुसार, इस वर्ष चीनी तट पर आने वाले सबसे शक्तिशाली तूफान के रूप में वर्णित, रागासा इस मौसम का 18वां तूफान है। स्थानीय प्राधिकारियों ने बताया कि पूर्वी ताइवान के हुआलिएन काउंटी में तूफान रागासा के कारण झील के उफनाने से भारी मात्रा में पानी आया जिससे 17 लोगों की मौत हो गई तथा 32 लोग घायल हो गए।

चीन में 20 लाख से ज्यादा लोगों को सुरक्षित निकाला

चीन की सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' के अनुसार, अब भी 17 लोग लापता हैं। रगासा तूफान से बुधवार को प्रभावित हुए चीन के गुआंगदोंग प्रांत से करीब 21.6 लाख से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। प्रांतीय मौसम विज्ञान वेधशाला के अनुसार, तूफान रगासा बुधवार सुबह गुआंगदोंग के यांगजियांग शहर के हेलिंग द्वीप के तट पर पहुंचा। यांगजियांग शहर भर में 1,038 आश्रय स्थलों को जनता के लिए पूरी तरह से खोल दिया गया है।

फ़िलीपींस – 700,000 से ज़्यादा प्रभावित

तूफ़ान ने सोमवार को सबसे पहले उत्तरी फ़िलीपींस में दस्तक दी। कम से कम 10 लोगों की मौत की खबर है, जिनमें सात मछुआरे भी शामिल हैं, जो कागायन प्रांत के सांता एना तट पर अपनी नाव पलटने से डूब गए। पाँच मछुआरे अभी भी लापता हैं। अधिकारियों ने बताया कि लगभग 700,000 लोग प्रभावित हुए हैं, जिनमें से 25,000 लोग सरकारी निकासी केंद्रों में शरण लिए हुए हैं।

हांगकांग – होटल में समुद्री पानी घुसा

हांगकांग में तेज़ हवाओं और भारी बारिश के साथ सुबह हुई जब रागासा शहर से लगभग 100 किलोमीटर दक्षिण में गुज़रा। वेधशाला ने 195 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएँ दर्ज कीं, इसे एक सुपर टाइफून बताया। 90 से ज़्यादा लोग घायल हुए। सैकड़ों पेड़ गिर गए, एक जहाज तट से टकरा गया, और लहरों ने रेस्टोरेंट और होटलों को पानी में डुबो दिया। एक वायरल वीडियो में फुलर्टन ओशन पार्क होटल के कांच के दरवाजों से समुद्री पानी घुसता हुआ दिखाई दे रहा है।

ग्वांगडोंग – 20 लाख से ज़्यादा लोगों को निकाला गया

चीन के ग्वांगडोंग प्रांत में, बुधवार शाम 5 बजे यांगजियांग शहर के पास हेलिंग द्वीप पर रागासा के पहुँचने से पहले 20 लाख से ज़्यादा लोगों को निकाला गया। तूफ़ान के पहुँचने के समय हवा की गति 144 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुँच गई थी। 38,000 से ज़्यादा अग्निशमन कर्मी और 400 आपातकालीन दल तैयार थे। सरकार ने ग्वांगडोंग, हैनान और फ़ुज़ियान में राहत के लिए करोड़ों डॉलर आवंटित किए।

मकाओ

निवासी सड़कों पर मछलियाँ पकड़ते हुए मकाओ में, सड़कें मलबे से भरी नदियों में बदल गईं। स्कूल, दुकानें और कैसीनो बंद कर दिए गए। बचाव दल ने बाढ़ग्रस्त घरों में फंसे लोगों की मदद के लिए हवा वाली नावों का इस्तेमाल किया। सुरक्षा के लिए निचले इलाकों में बिजली काट दी गई, और जब पानी कम हुआ, तो कुछ निवासी मछलियाँ पकड़ने के लिए सड़कों पर निकल आए।

अमेरिका के टैरिफ की धज्जियां उड़ा रहा भारत, चीन से बंपर माल की खरीदारी

अमेरिका ने सोचा था कि ऊंचे टैरिफ लगाकार चीन को किनारे लगा दिया जाएगा। लेकिन नतीजा क्या निकला, चीन ने रास्ता बदला और अमेरिका की नींद उड़ा दी। चीन और भारत के बीच अब अरबों डॉलर का व्यापार का नया रिकॉर्ड बन रहा। अमेरिका की टैरिफ धमकियों के बीच ये खेल पूरी तरह से पलट गया। ब्लूमबर्ग की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक पिछले महीने चीन से भारत का आयात 12.5 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। इतिहास का सबसे बड़ा आंकड़ा और सबसे बड़ा कारण एप्पल का आईफोन प्रोडक्शन है। अब आप सोच रहे होंगे कि आईफोन का प्रोडक्शन भारत में शिफ्ट हो रहा था इससे चीन को कैसे फायदा पहुंच रहा। तो आपको बता दें कि भारत में फोन की एसेंबलिंग तो हो रही है लेकिन चिप्स और पुर्जे, मशीनरी अभी चीन से ही आ रही है।

सिर्फ जुलाई 2025 में चीन ने भारत को 1 अरब डॉलर के कंप्यूटर चिप्स भेजे। इसके अलावा अरबों डॉलर के फोन और इलेक्ट्रॉनिक पार्ट्स भारतीय फैक्ट्रियों तक पहुंचे। यानी एप्पल की मेड इन इंडिया कहानी के पीछे भी मेड इन चाइना का तड़का लगा हुआ है। ये रिकॉर्ड ब्रेकिंग व्यापार उस वक्त हो रहा है जब अमेरिका ने चीन और भारत पर हाई टैरिफ लगा रखे हैं। ट्रंप प्रशासन ने सोचा कि टैरिफ बढ़ाओ और चीन–भारत की कमर टूट जाएगी। अमेरिका जीत जाएगा। लेकिन चीन ने अपनी रणनीति बदली। भारत के साथ उतर गया। भारत, अफ्रीका और साउथ ईस्ट एशिया जैसा नया मार्केट पकड़ चुका है। यूरोप में भी नया ग्राहक ढूढ़ लिया है। अमेरिका तक पहुँच सीमित होने के साथ, चीनी निर्माताओं ने दिखा दिया है कि वे पीछे नहीं हटेंगे। जेपी मॉर्गन के मुख्य भारतीय अर्थशास्त्री साजिद चिनॉय ने ईटी नाउ को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि वैश्विक व्यापार गतिशीलता में तीव्र बदलाव के कारण उभरते बाजारों के लिए कठिन समय आ गया है। उन्होंने चेतावनी दी है कि बढ़ते अमेरिकी टैरिफ, अत्यधिक चीनी क्षमता और तेज़ स्वचालन का मिश्रण विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के विकास मॉडल को नया रूप दे सकता है। अमेरिका तक पहुँच सीमित होने के साथ, चीनी निर्माताओं ने दिखा दिया है कि वे पीछे नहीं हटेंगे।चिनॉय ने कहा कि उभरते बाजारों से शुरुआत करना अच्छा है क्योंकि वैश्विक स्तर पर जो कुछ हो रहा है, उसका असली खामियाजा उन्हें ही भुगतना पड़ेगा। हम 1930 के दशक के बाद से सबसे ऊँचे टैरिफ स्तरों की ओर बढ़ रहे हैं, और प्रभावी अमेरिकी दर 17–18: तक बढ़ सकती है।

यूएस ने कड़े किए नियम तो चीन ने खोले दरवाजे,

ट्रंप के 88 लाख वाले वीजा से बेहतर है जिनपिंग का के-वीजा?

डोनाल्ड ट्रंप की मेक अमेरिका ग्रेट अगेन (मागा) नीति में एक बड़ा मुद्दा एच1बी वीजा हमेशा से रहा है। वो वीजा जो हर साल 85 हजार विदेशियों को अमेरिका में स्किल्स के आधार पर काम करने की इजाजत देता है। लेकिन ट्रंप को ये वीजा बिल्कुल पसंद नहीं है। अपने राजनीतिक इतिहास में ट्रंप इस वीजा का विरोध करते आए हैं क्योंकि उनका मानना है कि ये वीजा अमेरिकियों की नौकरी खा रहा है। इसी कड़ी में ट्रंप ने एच1बी वीजा की कीमत अचानक 1 लाख डॉलर कर दी। भारतीय रुपए

के हिसाब से 88 लाख रुपए। अमेरिका में आईटी सेक्टर में काम करने का सपना रखने वाले भारतीयों के लिए अब ये वीजा मुसीबत बन गया है। इसी मौके का फायदा चीन उठा रहा है। चीन 1 अक्टूबर से के वीजा शुरू कर रहा है। जिसे दुनियाभर के प्रोफेशनल्स को चीन जाकर काम करने का मौका मिलेगा। क्या है के वीजा, अमेरिका के एच1बी वीजा से कैसे अलग है। इसके लिए अप्लाई कैसे करना होगा तमाम सवालों के जवाब आपको बताते हैं।

एच1बी पर ट्रंप ने क्या नया फैसला लिया है

ट्रम्प प्रशासन ने एच–1बी वीसा चयन प्रक्रिया में बड़ा बदलाव प्रस्तावित किया है। अब वीजा पाने का मौका केवल लॉटरी पर नहीं होगा। चयन उम्मीदवार के कौशल स्तर और नौकरी में मिलने वाले वेतन पर निर्भर करेगा। नए नियम के तहत सभी उम्मीदवारों को श्रम विभाग की रिपोर्ट के आधार पर चार वेतन श्रेणियों में रखा जाएगा। सबसे ऊंची श्रेणी वाले, जिन्हें लगभग +1,62,500 (करीब 1.44 करोड़ रुपए) सालाना वेतन मिलता है, वे लॉटरी में चार बार शामिल होंगे। सबसे निचली श्रेणी वाले सिर्फ एक बार शामिल होंगे। इसका मकसद है कि अधिक कुशल और ज्यादा वेतन पाने वाले कर्मचारियों को प्राथमिकता मिले। सरकार ने 22 सितंबर से नए एच–1बी आवेदन पर +100.000 (करीब ध्88 लाख) फीस की है।

क्या है के वीजा

टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, यह वीजा साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजिनियरिंग और मैथमेटिक्स (ज्म्ड) क्षेत्रों के ग्रेजुएट्स और शुरुआती स्तर के शोधकर्ताओं को लक्षित करता है। इसकी खासियत यह है कि इसके लिए स्थानीय नियोक्ता की जरूरत नहीं होगी। धारक सीधे रिसर्च, शिक्षा, स्टार्टअप और बिजनेस गतिविधियों में हिस्सा ले सकते हैं। यह लचीलापन चीन को वैश्विक टैलेंट आकर्षित करने का नया हथियार बना सकता है। चीन के–वीजा के माध्यम से दुनियाभ दुनियाभर के टैलेंट को अपनी और आकर्षित कर रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका जहां वीजा पॉलिसी सख्त कर रहा है, वहीं चीन युवा वैज्ञानिकों और तकनीकी पेशेवरों को खुला आमंत्रण दे रहा है।

जॉब ऑफर जरूरी नहीं, ज्यादा स्टे कर सकेंगे

के–वीजा के लिए कंपनी से जॉब ऑफर की अनिवार्यता नहीं रखी गई है। इस वीसा से चीन में जाकर जॉब सर्च कर सकते हैं। ये वीसा मल्टीपल एंट्री और 10 साल की विस्तारित अवधि तक चीन में रहने की सुविधा देगा। स्टेम सब्जेक्ट यानी साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और मैथेमैटिक्स में पास आउट को इस वीसा में वरीयता दी जाएगी। यंग टैलेंट यानी 45 साल तक के प्रोफेशनल्स को इस कैटेगरी में वीसा जारी करने का लक्ष्य है।

के वीसा से क्या बदलाव होगा

अमेरिका में एच–1 बी फीस वृद्धि के बाद भारत के एंट्री–मिड लेवल के प्रोफेशनल्स चीन का रुख कर सकते हैं। अब एच–1 बी के लिए फीस चुकाने को कुछ अमेरिकी कंपनियां ही आगे आएंगी। ये वीसा कैसे अलग है एच–1 बी से इसका सबसे बड़ा अंतर है कि इसे पाने के लिए किसी भी कंपनी या यूनिवर्सिटी से जॉब ऑफर जरूरी नहीं है।

अमेरिका में दो भारतीयों पर नकली दवा सप्लाई करने का आरोप

अमेरिका के ट्रेजरी डिपार्टमेंट के ऑफिस ऑफ फॉरेन असेट कंट्रोल ने दो भारतीय नागरिकों सादिक अब्बास हबीब सय्यद और खिजर मोहम्मद इकबाल शेख के साथ भारत स्थित एक ऑनलाइन फार्मेसी कएस इंटरनेशनल ट्रेडर्स पर प्रतिबंध लगाया है। इन पर आरोप है कि उन्होंने अमेरिका में फेंटेनिल और अन्य गैरकानूनी ड्रग्स से भरे नकली प्रिस्क्रिप्शन पिल्स लाखों की संख्या में सप्लाई कीं। OFAC ने बताया कि ये नकली दवाएं ऑक्सिकोडोन, एडरल, ज़ैनाक्स जैसे लोकप्रिय दवाओं के रूप में बेची गईं, लेकिन इनमें खतरनाक फेंटेनिल, फेंटेनिल के एनालॉग और मेथामफेटामाइन जैसी हानिकारक चीजें थीं। सय्यद और शेख ने इन ड्रग्स की बिक्री के लिए एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग प्लेटफॉर्म्स का इस्तेमाल किया। खिजर शेख केएस इंटरनेशनल ट्रेडर्स के मालिक हैं, जो ऑनलाइन फार्मेसी के रूप में काम करती है। आरोप है कि शेख ने अभियोग के बावजूद अपनी दुकान बंद नहीं की। ट्रेजरी डिपार्टमेंट ने कहा कि ये नकली ऑनलाइन फार्मेसियां, जिनमें भारत आधारित भी शामिल हैं, अमेरिका और मैक्सिको के ड्रग कार्टेल्स को नकली पिल्स और ड्रग बनाने वाली केमिकल सप्लाई करती हैं। ये नकली दवाएं लोगों को सुरक्षित दवाइयों का भ्रम देकर ओपिओइड ओवरडोज संकट को बढ़ावा देती हैं, जो अमेरिका में 18 से 45 वर्ष के बीच मौत का प्रमुख कारण बन चुका है।

लेबनान में संयुक्त राष्ट्र शांति सेना के मुख्यालय पर गिरा इस्राइली ड्रोन

दक्षिण लेबनान में संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन (UNIFIL) के मुख्यालय पर एक इस्राइली ड्रोन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हालांकि इस मामले में कोई हताहत नहीं हुआ। न्छथ्प्स् ने कहा कि लेबनानी हवाई क्षेत्र में इस्राइली ड्रोन उड़ानें संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद प्रस्ताव 1701 का उल्लंघन हैं। ड्रोन में हथियार नहीं थे और केवल कैमरा लगा पाया गया। इस्राइल ने तकनीकी खराबी स्वीकार की और स्थिति स्पष्ट करने के लिए न्छथ्प्स् से संपर्क किया। दो सप्ताह पहले भी इस्राइली ड्रोन ने शांति सैनिकों के पास ग्रेनेड गिराए थे। खबरों के मुताबिक इस्राइल–हिजबुल्लाह युद्ध (2023–24) में 4,000 से अधिक लोग लेबनान में और 127 इस्राइल में मारे गए।

मलावी में पूर्व राष्ट्रपति मुथारिका ने प्रतिद्वंद्वी चकवेरा को दी मात, चुनाव जीता

पूर्वी अफ्रीकी देश मलावी के पूर्व राष्ट्रपति पीटर मुथारिका ने चुनाव जीतकर मौजूदा राष्ट्रपति लाजरस चक्वेरा को पराजित कर सत्ता में वापसी की है। 85 वर्षीय मुथारिका ने 56: वोट हासिल किए जबकि चक्वेरा को 33: वोट मिले। चक्वेरा ने टीवी पर भाषण देकर हार स्वीकार की। मुथारिका 2014–2020 तक राष्ट्रपति रह चुके हैं, लेकिन 2020 में ऐतिहासिक पुनर्निर्वाचन में हार गए थे। चक्वेरा की लोकप्रियता महंगाई, ईंधन व खाद्य संकट और आर्थिक संकट के कारण घटी। मुथारिका ने अर्थव्यवस्था सुधारने का वादा किया है, हालांकि उनके पिछले कार्यकाल में भ्रष्टाचार और संकटों को लेकर आलोचना हुई थी।

निजी विमान वेनेजुएला में टेकअश्वफ के समय दुर्घटनाग्रस्त

वेनेजुएला की राजधानी काराकस के सिमोन बोलिवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरते समय एक निजी लियरजेट–55 विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। वेनेजुएला की राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संस्था (प्छ।ब्) ने बताया कि विमान में मौजूद दो यात्रियों को सुरक्षित बचा लिया गया और उन्हें चिकित्सकीय देखभाल के बाद स्थिर बताया गया। यह स्पष्ट नहीं हुआ कि विमान में अन्य लोग सवार थे या नहीं। सोशल मीडिया पर साझा वीडियो में हवाई अड्डे के रनवे से धुआं उठता दिखा। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट फ्लाइटरडार24 के अनुसार, यह विमान पिछले महीने वेनेजुएला, पनामा और क्यूबा में उड़ान भर चुका था।

कोलंबिया खदान हादसारू 43 घंटे फंसे रहने के बाद 23 खनिकों को बचाया गया

कोलंबिया के उत्तरी एंटिओक्विया में ला रेलिक्विया सोने की खदान धंसने के कारण 23 मजदूर फंस गए थे। करीब 43 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद फंसे हुए श्रमिकों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। मुख्य सुरंग सोमवार को अचानक धंस गई थी। कोलंबिया की राष्ट्रीय खनन एजेंसी ने बताया।

हिन्दी साप्ताहिक

आगाज़ टाइम्स

8

लखनऊ रविवार, 28 सितम्बर 2025

राज्यपाल ने बेटियों को खिलाया खाना

राजभवन में 5100 कन्याओं का पूजन हुआ, 100 बालिकाओं को एचपीवी वैक्सीन लगाई

लखनऊ। बेटियों के सामने कई चुनौतियां होती हैं। इसलिए उन्हें शिक्षित, संस्कारित और स्वस्थ रखना जरूरी है। बेटियों को अच्छी शिक्षा दें, संस्कार दें और उन्हें समाज की नकारात्मकता से बचाएं। बेटियों को कौशल शिक्षा भी दें। यह बात राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने नवरात्र के चौथे दिन राजभवन में कन्या पूजन कार्यक्रम में कही। प्रेरणा संस्था की ओर से राजभवन परिसर में 5100 कन्याओं का पूजन और 100 बालिकाओं का निःशुल्क एचपीवी वैक्सीनेशन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं के स्वास्थ्य की रक्षा और उन्हें संस्कारित एवं शिक्षित बनाकर सशक्त समाज की नींव रखना है। आंगनबाड़ी केंद्रों को सुविधा सम्पन्न बनाया राज्यपाल ने बताया– राजभवन के माध्यम से 50 000 से अधिक आंगनबाड़ी केंद्रों को सुविधा सम्पन्न बनाया गया है। इसके अलावा सड़कों पर भिक्षा मांगने वाले 80 बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़कर उनका नामांकन स्कूलों में कराया गया। उन्हें कौशल शिक्षा भी दी जा रही है। राज्यपाल ने कहा– राजभवन जनता का है। यहां लगातार सांस्कृतिक और शैक्षिक गतिविधियां होती रहती हैं। इनमें गरबा, विद्यालयों की खेल प्रतियोगिताएं, किसानों के लिए फ्लावर शो और उत्पाद प्रदर्शनी जैसे आयोजन शामिल हैं। एचपीवी वैक्सीनेशन किया राज्यपाल ने बताया– गरीब परिवारों के लिए एचपीवी वैक्सीन महंगी होने के कारण राजभवन ने समाज और विश्वविद्यालयों के सहयोग से 50000 से अधिक बालिकाओं को निःशुल्क वैक्सीन उपलब्ध कराई है। आज राजभवन में 100 बालिकाओं को वैक्सीन लगाई गई है। यह अभियान बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर से दीर्घकालिक सुरक्षा प्रदान कर रहा है। अतिथियों ने सराहा कार्यक्रम श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र अयोध्या के महासचिव चंपत राय ने कहा– राजभवन भारतीय परंपराओं की रक्षा का केंद्र बन गया है। पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के प्रचारक अनिल कुमार ने कहा कि भारत ही एकमात्र देश है, जहां नारी को शक्ति स्वरूप माना जाता है और उनकी पूजा की जाती है। लखनऊ में 26 सितंबर से मचेगी डांडिया की धूमरू आरजे–डीजे और बैंड्स पर थिरकेंगे युवा, 200 से 1200 रु. तक के टिकटय जानिए टॉप–10 वेन्यू लखनऊ में डांडिया का कल्चर साल दर साल बढ़ता जा रहा है। इस बार भी शहर में जगह–जगह गरबा पंडाल सजने लगे हैं। इनमें स्पेशल डांडिया नाइट्स का आयोजन होगा। कलाकारों की लाइव परफॉर्मेंस के साथ लोग ट्रेडिशनल और मॉडर्न ड्रेस में डांडिया खेलेंगे। पंडालों में फूड, फन और गेमिंग जोन भी बनाए जा रहे हैं।

बिहार की तर्ज पर राजधानी में भी विशेष गहन पुर्नरीक्षण एसआईआर अभियान

लखनऊ,संवाददाता। बिहार की तर्ज पर चुनाव आयोग के विशेष गहन पुर्नरीक्षण अभियान की शुरूआत राजधानी लखनऊ में हो चुकी है। जिसमें पुरानी मतदाता सूची के निरीक्षण का कार्य प्रक्येक बूथ पर जोरों से चल रहा है। जिसमें सभी निर्वाचन क्षेत्रों के बीएलओ अपने–अपने बूथ की पुरानी मतदाता सूची से आयोग से प्राप्त हुयी नयी मतदाता सूची का मिलान कर रहे है। प्राप्त जानकारी के अनुसाी सन् 2003 की मतदाता सूची का मिलान सन् 2025 की मतदाता सूची से किया जा रहा है। जिसमें ऐसे सभी मतदाताओं को चिन्हित किया जा रहा है जो पिछले 22 वर्षों के अंतराल में दिवंगत हो चुके है, दूसरे स्थानों पर स्थानान्तरित हो चुके है अथवा उनके नाम दो स्थानों के निर्वाचन क्षेत्र में दर्ज है। इस प्रक्रिया के पूर्ण होने पर सभी बूथों के बीएलओं घर–घर जाकर सत्यापन करेगें। बताते चले कि गहन पुर्नरीक्षण के बाद चुनावों की प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता आयेगी। चुनाव आयोग द्वारा दी गयी जानकारी के अनुसार बिहार में 25 अगस्त 2025 को प्रकाशित ड्राफ्ट के अनुसार अकेले बिहार में 18 लाख वोटर दिवगत हो चुके है। 26 लाख मतदाता दूसरे निर्वाचन क्षेत्रों में स्थानान्तरित हो चुके है तथा 07 लाख मतदाताओं का दो–दो स्थानों पर नाम दर्ज है। बिहार की स्थिति को देखते हए उ0प्र0 में यह आंकड़ा बढ़ने की ही उम्मीद है।

चार लाख छात्र छात्राओं को आज मिलेंगी छात्रवृत्ति

लखनऊ,संवाददाता। फररवरी–मार्च में मिलने वाली छात्रवृत्ति इस बार सितंबर में नवरात्र के अवसर पर ही छात्रों को मिल जाएगी। सीएम योगी आदित्यनाथ 26 सितंबर को प्रदेश के 4 लाख से अधिक छात्र छात्राओं को छात्रवृत्ति प्रदान करेंगे।माना जा रहा है कि अब हर बार समय से पूर्व सितंबर में ही छात्रों को छात्रवृत्ति मिल सकेगी। पिछड़ा वर्ग राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नरेंद्र कश्यप ने बताया कि इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में ये छात्रवृत्ति वितरित की जाएगी। यह छात्र–छात्राओं के लिए दीपावली का गिफ्ट होगा। छात्रों को समय से पूर्व छात्रवृत्ति मिल सके, इसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर पिछड़ा वर्ग कल्याण, समाज कल्याण और अल्पसंख्यक कल्याण विभाग ने मिलकर रणनीति बनाई। इस बार छात्रवृत्ति योजना का लाभ छात्रों को नवरात्र के पावन अवसर पर मिल सकेगा।पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री ने कहा कि 2024 में प्रदेश के पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लगभग 59 लाख छात्र–छात्राओं को छात्रवृत्ति मिली थी। 2025 में यह संख्या बढ़कर 70 लाख से अधिक हो जाएगी। सरकार छात्रवृत्ति का दायरा लगातार बढ़ा रही है।

पीडीए की एकता से घबरा रही है भाजपा : अखिलेश

लखनऊ,संवाददाता। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि जाति हमारा इमोशनल कनेक्ट है। पिछड़ों को जाति के आधार पर आरक्षण दिया गया है। मंडल कमीशन की प्रस्तावना में ये बात आई कि हम जाति के आधार पर पिछड़े हैं तो हमें आरक्षण मिला है। भाजपा पीडीए यानि पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक की एकता से घबरा गई है। जबसे हमने विभागों में पीडीए की तैनाती के आंकड़े जारी किए हैं तब से भाजपा घबरा गई और लोगों को अपमानित कर रही है। आज लखनऊ स्थित सपा कार्यालय में मीडिया से मुखातिब अखिलेश यादव ने योगी सरकार के आदेश कि एफआईआर, अरेस्ट वारंट या किसी भी दस्तावेज पर जाति नहीं लिखी जाएगी के आदेश पर जवाब दिया।उन्होंने कहा कि हरिजन एक्ट तो जाति पर ही बना है। जिन लोगों ने गंगाजल से मकान को धुलवाया उन पर कार्रवाई हुई क्या? मैं जिस मंदिर में गया था उसके पंडित के मना करने के बावजूद भाजपा के लोगों ने मंदिर धुलवाया। उन्हें बताना चाहिए कि ऐसा क्यों किया? पीडीए को अब समाजवादी पार्टी पर भरोसा है। यूपी में भाजपा ने भ्रष्टाचार के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। विधायक मंच से बोल रहे हैं कि 10 प्रतिशत कमीशन है उस पर बोलेंगे नहीं और हमें क्रीम, पाउडर और शैंपू में उलझा रहे हैं। हम भी बाजार जाएंगे।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर डिप्टी सीएम ने अर्पित की पुष्पांजलि

लखनऊ,संवाददाता। जनसंघ के संस्थापक सदस्य और एकात्म मानववाद के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 109वीं जयंती पर भाजपा लखनऊ महानगर ने चारबाग स्थित दीनदयाल वाटिका में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया।

2 मंजिला मकान में लगी भीषण आग

सामान जलकर राख, दमकल की 2 गाड़ियां 3 घंटे में काबू पा सकीं

लखनऊ। लखनऊ में 2 मंजिला मकान में गुरुवार तड़के भीषण आग लग गई। अंदर सो रहे लोगों ने जैसे–तैसे मकान से बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। सूचना पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटना गोमती नगर के विशेष खंड में सुबह छह बजे हुई। थ्ै गोमती नगर ने बताया– सुबह करीब 6रू26 पर फायर स्टेशन को सूचना मिली कि बी–3ध्175, विशेषखंड में आग लगी है। सूचना मिलते ही 2 दमकल गाड़ियों को मौके के लिए रवाना किया गया। आग को काबू में करने के लिए लगातार 3 घंटे तक पानी की पंपिंग की गई। अंदर सो रहे लोगों ने जैसे–तैसे मकान से बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। सूचना पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन घरेलू सामान जलकर राख हो गया। मकान बीना अग्रवाल पत्नी श्री कृष्णमुरारी अग्रवाल का है, जो परिवार समेत वहीं निवास करती हैं। दमकल कर्मियों की मुस्तैदी से आग को आसपास के घरों तक फैलने से रोक लिया गया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया।

लखनऊ में तेंदुआ, 2 दिन से 1 किमी दायरे में मूवमेंट, विभाग बोला तस्वीरें एआई जनरेटेड

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी लखनऊ में करीब 1 किमी दायरे में 2 दिन से तेंदुए का मूवमेंट देखा जा रहा है। आशियाना के सालेहनगर में बुधवार देर रात तेंदुआ दिखा। उसके बाद गुरुवार तड़के रुचिखंड के पॉयनियर स्कूल के पास भी तेंदुआ टहलता नजर आया। ऐसे में आशंका है कि राजधानी में एक से अधिक तेंदुओं का मूवमेंट है। रुचिखंड में लोगों का दावा है कि किसी ने तेंदुए की फोटो खींची। उसकी सूचना के बाद वन विभाग की टीम स्पॉट पर पहुंची। हालांकि, वहां तेंदुए के मूवमेंट का कोई भी प्रमाण नहीं मिला। एक तस्वीर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भी एक्स पर पोस्ट की है। अखिलेश यादव ने पूछा अब तो राजधानी तक आ गए,,, सरकार को पता चला क्या? फिलहाल, वन विभाग की टीम ने आशियाना पुलिस के साथ इलाके में कॉम्बिंग की। आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाली। वन विभाग का कहना है कि तेंदुए के मूवमेंट की सभी तस्वीरें एआई जनरेटेड हैं। डीएफओ सितांशु पांडेय ने बताया टीम बुधवार को भी मौके पर गई थी और पुलिस स्टाफ के साथ गश्त की, लेकिन अब तक तेंदुए की मौजूदगी का कोई ठोस सबूत नहीं मिला है। सीसीटीवी कैमरों में भी तेंदुए की कोई तस्वीर कैद नहीं हुई है। सुबह की शिफ्ट की टीम अब भी मौके पर मौजूद है। इलाके में जो लोग रोजाना दुकान लगाते हैं, उन्होंने भी तेंदुआ दिखने की कोई पुष्टि नहीं की है। टीम लगातार निगरानी कर रही है। जितनी भी तस्वीरें वायरल हैं, सब एआई जनरेटेड हैं। आशियाना प्रभारी निरीक्षक छत्रपाल सिंह ने बताया वायरल तस्वीर संदिग्ध है, लेकिन सुरक्षा की दृष्टि से गश्त बढ़ा दी गई है। देर रात माइक से अनाउंसमेंट कर लोगों को सतर्क किया गया। बच्चों को घर से बाहर न निकलने की हिदायत दी गई है। अफवाह फैलाने वालों पर कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। गुरुवार दोपहर तेंदुए की यह तस्वीर वायरल हुई। इसमें दावा किया गया कि रुचिखंड में दिन में दिखा। हालांकि, कई लोगों ने कहा कि इतने पास से तस्वीर नहीं खींची जा सकती। धूप के बावजूद परछाई नहीं है। रुचिखंड में रात में तेंदुआ देखने जाने की सूचनाओं के बीच दोपहर में एक और तस्वीर वायरल हो गई। इसे बताया गया कि दिन के उजाले में तेंदुआ नजर आया है और विभाग सो रहा है। तस्वीर सर्कुलेट होते ही मौके पर पुलिस पहुंच गई। पुलिस ने वायरल मैसेज पर बताए गए एड्रेस पर पहुंचकर स्थानीय लोगों से बात की। लोगों से पूछा कि क्या आपने कुछ देर पहले यहां तेंदुए को देखा और उसकी तस्वीर खींची क्या? इस पर लोगों ने ऐसी कोई घटना होने से साफ इन्कार कर दिया। इसके बाद पुलिस ने तस्वीर वायरल करने के एक संदिग्धा आरोपी युवक को हिरासत में भी ले लिया। उससे पूछताछ की जा रही है।

यूपी में पुलिसवाले किडनैपिंग कर रहे, कानपुर कांड का खुलासा हुआ तो आईएएस-आईपीएस फंसेंगे : अखिलेश

लखनऊ,संवाददाता। अखिलेश यादव ने लखनऊ में कहा कानपुर वाले अखिलेश दुबे के कांड का खुलासा हुआ तो बड़े पैमाने पर आईएएस, आईपीएस और बीजेपी के लोग निकलेंगे। कानपुर में अपराधी, पुलिस और बीजेपी मिलकर लोगों के साथ गलत कर रही है।सपा प्रमुख ने कहा अब यूपी में पुलिसवाले किडनैपिंग कर रहे हैं। 20 लाख की फिरौती मांग रहे हैं। दरअसल, आगरा में पुलिसकर्मी ने दो लोगों के साथ मिलकर छात्र का अपहरण कर लिया था और परिवार से फिरौती मांगी थी। अखिलेश ने गुरुवार को सपा कार्यालय पर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें सिद्धार्थनगर से भाजपा के नेता और पूर्व विधायक चौधरी अमर सिंह ने सपा जॉइन कराई। नोएडा में दुनिया के तमाम देशों के लोग रहते हैं। कारोबार कर रहे, जिसकी वजह से तरक्की और खुशहाली के रास्ते खुले हुए हैं। खेती की जमीन बढ़ नहीं सकती, लेकिन जिस तरह से विकास कार्य होंगे, जमीन सिकुड़ती जाएगी। भविष्य में सर्किल रेट बढ़ाकर मार्केट रेट दिलाने का काम करेंगे। उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो का कार्यक्रम हो रहा। ये भूल गए कि अभी अमेरिका ने टैरिफ लगाया है। सरकार ने क्या फैसला किया, अब तक सामने नहीं आया। सरकार को मदद करने के लिए आगे आना चाहिए, ताकि कारोबार चलता रहे, नुकसान न हो। लोगों के अधिकार जो छीने गए हैं, उन्हें वापस लाने का काम करेंगे। हम विकास कार्यों के खिलाफ नहीं हैं। लेकिन, स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाकर कोई विकास कार्य होगा तो हम उसके साथ खड़े नहीं होंगे। सरकार कह रही है कि हमारा बजट सर प्लस है। वाराणसी के पॉल्यूशन पर कहा कि इससे सेहत को नुकसान हो रहा है। वहां जो कारखाना लग रहा है, वह पूरे मानक के साथ लगे। तभी वहां के आसपास के लोगों का जीवन बचेगा। जिन लोगों ने जीएसटी लगाकर धोखा दिया, वही आज उत्सव मना रहे। एक तरफ दे रहे हैं तो दूसरी ओर जीएसटी बढ़ाकर पैसा ले ले रहे हैं। ये जीएसटी कम करना धोखा देना है। क्रीम पर 2–4 रुपए कम हो जाएं तो किसान को क्या लाभ है? मुख्यमंत्री ये बताएं कि शावर जेल का दो रुपए कम हो गया तो किसान को क्या लाभ हुआ?

संक्षिप्त समाचार

स्कूटी पर लात मारने वाले का एनकाउंटर,पैर में लगी गोली, साथी फरार

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी लखनऊ के जानकीपुरम में गुरुवार तड़के पुलिस ने स्कूटी पर लात मारने वाले बदमाश को दौड़ाकर गोली मारी। आरोपी के पैर में गोली लगी है, जबकि उसका भाई अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। दोनों ने जानकीपुरम के व्यवसायी अतुल जैन (42) से चेन लूट ली थी। पीछा कर रहे अतुल की स्कूटी पर लात मार दी थी जिससे वह अनियंत्रित होकर गिरे और उनकी मौत हो गई। डीसीपी पूर्वी शशांक सिंह ने बताया मुखबिर की सूचना पर जानकीपुरम इलाके में संदिग्ध सफेद अपाचे बाइक देखी गई। पुलिस ने बाइक सवार को रोकने की कोशिश की तो बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी फायरिंग में एक आरोपी को गोली लगी, जिसे पकड़ लिया गया। दूसरा आरोपी मौके से भाग निकला। डीसीपी ने बताया गिरफ्तार आरोपी की पहचान अरविंद वर्मा के रूप में हुई है। अरविंद ने अपने भाई के साथ मिलकर लूट की वारदात की थी। फरार आरोपी की तलाश जारी है। मौके से पुलिस ने एक अवैध तमंचा और कारतूस बरामद किया है। लखनऊ के जानकीपुरम में चार दिन पहले अतुल कुमार जैन सुबह जिम जाने के लिए निकले थे। इस दौरान चेन स्नेचर ने उनकी चेन छीन ली थी। अतुल लुटेरों का स्कूटी से पीछा करने लगे। इस समय स्कूटी की स्पीड 80 किमी प्रति घंटा थी। इस दौरान उन्होंने बदमाशों को ओवरटेक किया। बदमाश जैसे ही पीछे हुए कि अतुल की स्कूटी पर लात मार दी। इससे स्कूटी अनियंत्रित हो गई वह स्कूटी सहित घिसटते हुए पिकअप के नीचे चले गए। मौके पर ही उसकी मौत हो गई थी। स्कूटी उनसे 50 मीटर और दूर पहुंची। अपाचे सवार बदमाशों ने अतुल की स्कूटी पर बचने के लिए लात मारी, जिसकी वजह से अतुल बेकाबू होकर गिर गया था। करीब 20 दूर खड़े डाले के नीचे जाकर घुस गया था। वहीं स्कूटी 50 मीटर दूर सड़क पर घिसटती चली गई थी। अतुल के सिर में गंभीर चोट आई थी। घटना के बाद वहां भीड़ जमा हो गई थी। इसके बाद घायल को अस्पताल पहुंचाया गया था। स्थानीय लोगों ने बताया था कि अतुल चोर–चोर चिल्लाते हुए एक गाड़ी के पीछे भाग रहा था। तभी अपाचे सवार 2 लड़कों ने स्कूटी में लात मार दी। अतुल एवी सर्विस नाम से कूरियर और टूर एंड ट्रैवल का काम करता था। उसकी अभी शादी नहीं हुई थी।

पैगम्बर हजरत मोहम्मद पर अभद्र टिप्पणी पर एफआईआर

लखनऊ,संवाददाता। राजधानीलखनऊ में पैगम्बर हजरत मोहम्मद पर अभद्र पोस्ट करने पर लोगों में आक्रोश फैल गया। आक्रोशित लोगों ने काकोरी थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। लोगों का कहना है कि एक युवक ने इंस्टाग्राम पोस्ट पर पैगम्बर मोहम्मद को गाली लिखी। जिससे मुस्लिम समाज की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। पुलिस मुकदमा दर्ज करके मामले की जांच कर रही है। काकोरी के मोहल्ला मिर्जागंज कस्बा मलिहाबाद निवासी आमिर वली खान ने बताया बुधवार रात करीब 9.15 बजे इंस्टाग्राम आईडी चला रहे थे। एक यूजर स्क्रीनशॉट इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया था। प्रिंस गौतम ने मुस्लिम समुदाय के पैगम्बर हजरत मोहम्मद के बारे में बहुत अभद्र गाली लिखी हैं। उन्होंने बताया इस पोस्ट से मुस्लिम समुदाय की भावनाएं आहत हुई हैं। मुस्लिम समुदाय आक्रोश में है। इस पोस्ट से विपक्षी ने शहर का माहौल खराब करने की कोशिश की है। मुस्लिम समाज अपने पैगम्बर के बारे में किसी भी प्रकार की अभद्र टिप्पणी बर्दाश्त नहीं कर सकता है। प्रिंस नाम के व्यक्ति ने सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने की नियत से आईडी पर पोस्ट किया है। कमेंट करने वाला युवक एक निजी स्कूल का छात्र बताया जा रहा है। मामला संज्ञान में आने के बाद स्कूल मैनेजमेंट ने छात्र को निष्कासित कर दिया। वहीं स्कूल प्रशासन का कहना है कि छात्र के इस पोस्ट व अन्य किसी गलत गतिविधि से स्कूल से कोई लेना देना नहीं है, न तो स्कूल ऐसी चीजों को सपोर्ट करता है।

नवरात्रि,दशहरा स्पेशल कलेक्शन, उपमुख्यमंत्री ने किया 'न्यू क्राफ्ट सिल्क इंडिया प्रदर्शनी का शुभारंभ

लखनऊ,संवाददाता। नवरात्रि और दशहरा के शुभ अवसर पर न्यू क्राफ्ट सिल्क इंडिया द्वारा कैसरबाग सफेद बारादरी में आयोजित स्पेशल पार्टी वियर परिधानों की प्रदर्शनी का शुभारंभ उत्तर प्रदेश सरकार के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने फीता काटकर और दीप प्रज्वलित कर किया। यह नौ दिवसीय प्रदर्शनी 25 सितंबर से 3 अक्टूबर तक चलेगी। कार्यक्रम के दौरान आयोजक श्री मानस आचार्य और जावेद मकसूद ने मुख्य अतिथि का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। श्री पाठक ने विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन कर परिधानों व हैंडलूम उत्पादों की जानकारी ली। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन पर विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रहीं महिलाओं को उपमुख्यमंत्री ने सम्मानित भी किया। मीडिया से बातचीत में श्री पाठक ने कहा, "त्यौहारों के मौके पर एक ही छत के नीचे महिलाओं के लिए विविध परिधानों की उपलब्धता सराहनीय पहल है। बुनकरों को मेरा हार्दिक बधाई संदेश है। हमें स्वदेशी को बढ़ावा देना चाहिए।" प्रदर्शनी में 100: शुद्ध प्राकृतिक रेशों दृ रेशमी, कपास और लिनन से बने परिधान शामिल हैं। यहां बनारसी, तस्सर, कांथा, गढ़वाल, चंदेरी, महेश्वरी, कोटा, जयपुर बगरू प्रिंट्स, बेंगलुरु क्रेप सिल्क्स, कलमकारी, कांचीपुरम, पोचमपल्ली इक्कत, वेंकटगिरी, नारायणपेट, उप्पादा जामधानी, पैठानी, कोलकाता बुटीक, चंपा कोसा साड़ियां और विभिन्न कॉटन ड्रेस मटेरियल व लाइफस्टाइल गारमेंट्स आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। विभिन्न राज्यों से आए बुनकरों के उत्पाद इस प्रदर्शनी में अपने आप में अनूठी पहचान रखते हैं और लखनऊवासियों को किफायती दामों पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

मरीजो से अच्छे व्यवहार की शपथ के साथ मनाया विश्व फार्मासिस्ट दिवस

लखनऊ,संवाददाता। आज विश्व फार्मासिस्ट दिवसष के अवसर पर डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन उप्र की जिला शाखा ने बलरामपुर चिकित्सालय में जिला मंत्री कपिल वर्मा की अध्यक्षता में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें पूर्व महामंत्री डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसो० उप्र श्रवण सचान ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए चिकित्सा जगत में फार्मासिस्ट के अहम भूमिका और कार्य को जनमानस तक पहुँचने पर जोर दिया।

संरक्षक नागेन्द्र सिंह चौहान ,स्वामी प्रकाशक व मुद्रक फलक खान द्वारा साइ आफसेट प्रिन्टर्स 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे कैसरबाग से मुद्रत होकर 24/298 जय प्रकाश नगर नियर कल्याण भवन प्रयाग नारायण रोड, से प्रकाशित। सम्पादक जमील अहमद मो0 9236108786 Email: aagaaz.times@gmail.com

नोट : आगाज़ टाइम्स साप्ताहिक समाचार पत्र के सभी पद अवैतनिक है प्रकाशित हुये लेख/समाचारों में ,विचार व्यक्तिगत रूप से लेखकों के है। इनसे सम्पादक का सहमत होना जरूरी नहीं है। किसी भी विवाद कि स्थिति उत्पन्न होने पर केवल न्यायालय ही मान्य होगा।